News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-115
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

रात दिन जो एक समझता है वही आगे चलकर इतिहास रचता है...

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, मंगलवार 30 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

त्रिपुंड और चंद्र लगाकर सजे बाबा महाकाल

आज तड़के तीन बजे की गई भस्म आरती

वैसे तो विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज भी उन्ही परंपराओं का निर्वहन किया गया जो प्रतिदिन की जाती हैं। लेकिन, आज का दिन इसलिए विशेष था क्योंकि बाबा महाकाल 3 बजे न सिर्फ भक्तों को दर्शन देने के लिए जागे, बल्कि आभूषण पहनाकर उनका श्रृंगार किया गया और भस्म भी रमाई गई। जिसका लाभ भस्म आरती में बैठे हजारों श्रद्धालुओं को मिला।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने बताया कि श्रावण कृष्ण पक्ष की दशमी पर आज मंगलवार को सबसे पहले बाबा महाकाल को शुद्ध जल से स्नान करवाया गया। जिसके बाद पंचामृत स्नान करवाने के साथ ही बाबा महाकाल को केसर युक्त जल अर्पित किया गया। त्रिपुंड और चन्द्र लगाकर आभूषण से बाबा महाकाल को सजाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई, इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज गुंजायमान हो गया।

वायनाड में भारी भूस्खलन

56 की मौत, 400 से ज्यादा लापता

नेशनल डेस्क। केरल के वायनाड में मंगलवार को भारी बारिश के बाद रात भर में तीन बार भूस्खलन हुआ। वायनाड में तेज बारिश की वजह से अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हुई है। इसमें 4 गांव बह गए। घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां भी बह गईं। अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है। 70 अस्पताल में हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर है।जानकारी के मुताबिक रेस्क्यू के लिए SDRF और NDRF की टीम मौके पर मौजूद है। कन्नूर से आर्मी के 225 जवानों को वायनाड के लिए रवाना किया गया है। इसमें मेडिकल टीम भी शामिल है। इसके अलावा एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए हैं। वायनाड के 4 गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। 5 साल पहले 2019 में भी इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड की घटना हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी। 5 लोगों का आज तक पता नहीं चला। 52 घर तबाह हुए थे। मौसम विभाग ने आज भी वायनाड के अलावा कोझिकोड, मल्लपुरम और कसारागोड में रेड अलर्ट जारी किया है। यानी आज भी यहां भारी बारिश होने की संभावना है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ सकती है। वायनाड लैंडस्लाइड के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कंट्रोल रूम बना दिया है। साथ ही इमरजेंसी हेल्थ सर्विस के लिए दो हेल्पलाइन नंबर 8086010833 और 9656938689 जारी किए। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के वैथिरी, कलपट्टा, मेप्पाडी और मनंतवडी अस्पताल अलर्ट पर हैं। बारिश के चलते कोझिकोड जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा, सभी ग्रेनाइट खदानों को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से बातचीत की। पीएम मोदी ने केरल की एलडीएफ सरकार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी पार्टी कार्यकर्ताओं को बचाव कार्य में मदद करने का निर्देश दिया। पीएम मोदी ने केरल में बीजेपी के इकलौते सांसद सुरेश गोपी से भी इस बारे में बात की है। कांग्रेस नेता और पूर्व वायनाड सांसद राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मैं वायनाडु में आई इस आपदा पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं और अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। मुझे उम्मीद है कि जो लोग अभी भी फंसे हुए हैं, उन्हें जल्द ही सुरक्षित निकाला जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री और जिला कलेक्टर से बात की है, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि बचाव कार्य जारी हैं। उन्होंने सभी एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने, एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और राहत कार्यों के लिए किसी भी सहायता की जानकारी देने का अनुरोध किया है।

सिंगल कॉलम

यूपी में लव जिहाद पर अब होगी उम्रकैद योगी सरकार ने पेश किया बिल

लखनऊ। यूपी में लव जिहाद करने के दोषी को ताउम्र की जेल होगी। इस संबंध में सोमवार को योगी सरकार ने विधेयक पेश किया। योगी सरकार ने विधानसभा में यूपी विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक पेश किया। इसमें अपराधों में सजाएं दोगुनी करने का प्रस्ताव किया है। यूपी में लव जिहाद जैसे अपराधों पर योगी सरकार ने और कड़ी सजा करने का फैसला किया है। लव जिहाद में आजीवन कारावास तक की सजा दिए जाने का प्रस्ताव है। अन्ड्डय कई अपराधों में सजा दोगुनी तक बढ़ा दी गई है। लव जिहाद के तहत नए अपराध भी शामिल किए गए जिसमें ताउम्र जेल का प्रावधान किया गया है। लव जिहाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार लगातार सख्त तेवर दिखाते रहे हैं। लव जिहाद को लेकर 2017 के विधानसभा चुनाव में योगी सरकार ने मुद्दा बनाया था। इसके बाद लगातार इस मामले में सरकार ने सख्त कानून बनाने की कोशिश की और इसके प्रावधानों को कड़ा बनाया है। अब पेश बिल के अनुसार लव जिहाद मामले में पीड़ित के इलाज के खर्च के बदले कोर्ट जुमार्ना तय कर सकेगी। इस बिल को लाने से पहले सरकार ने बताया था कि अपराध की संवेदनशीलता, महिलाओं की सामाजिक स्थिति, दलित- पिछड़े समुदाय से होने के आधार पर सजा तय की जाएगी। नए बिल में अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए भी सजा और जुर्माने को बढ़ाया गया है।

सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को शराब घटाले का सूत्रधार बताया

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में फंसे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलेगी या नहीं, इस पर सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। केजरीवाल ने सीबीआई की गरिफ्तारी को चुनौती देते हुए जमानत की मांग की थीं। दोनों पक्षों की ओर से जोरदार दलीलें दी गईं, लेकिन इसी बीच सीबीआई ने हाईकोर्ट को बताया कि अरविंद केजरीवाल ही दिल्ली शराब घोटाले के सूत्रधार हैं। अगर उन्हें रिहा किया जाता है, तो वे गवाहों को प्रभावति कर सकते हैं। सीबीआई की ओर से पेश अधिवक्ता डीपी सिंह ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी के बिना जांच पूरी नहीं की जा सकती। हमने एक महीने के अंदर चार्जशीट दायर कर दी है और अब ट्रायल के लिए तैयार हैं। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उन्हें जेल में ही रखने के मकसद से यह गिरफ्तारी की गई थी। केजरीवाल के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है और जांच एजेंसी ने उन्हें अनुमानों और कल्पनाओं के आधार पर गिरफ्तार किया था। लेकिन सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि चार्जशीट में सिर्फ केजरीवाल ही आरोपी नहीं बनाए गए हैं, उनके अलावा 5 अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

538 लोकसभा क्षेत्रों में डाले गए और गिने गए वोट में गड़बड़ी

नई दिल्ली। एडीआर की तरफ से सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी किए विश्लेषण के अनुसार, हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में गिने गए कुल 5 लाख 54 हजार 598 वोट 362 संसदीय क्षेत्रों में डाले गए वोटों से कम हैं, जबकि 176 संसदीय क्षेत्रों में डाले गए वोटों से 35 हजार 093 वोट अधिक गिने गए हैं। हालांकि इस मामले पर चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया का इंतजार है। इस मामले में एडीआर के संस्थापक जगदीप चोकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, इसके अलावा, अंतिम मतदाता मतदान आंकड़ों जारी करने में जरूरत से ज्यादा देरी, अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र के आंकड़ों का अभाव और चुनाव परिणाम अंतिम मिलान किए गए आंकड़ों के आधार पर घोषित किए गए थे या नहीं, इसने चुनाव परिणामों की शुद्धता के बारे में चिंता और सार्वजनिक संदेह पैदा किया है। हालांकि, एडीआर ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कितनी सीटों पर वोटों के इस अंतर के कारण अलग परिणाम सामने आते। एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनाव आयोग अब तक वोटों की गिनती, ईवीएम में डाले गए वोटों में अंतर, मतदान में बढ़ोत्तरी, डाले गए वोटों की संख्या का खुलासा न करना, डाले गए वोटों के आंकड़ों को जारी करने में अनुचित देरी और अपनी वेबसाइट से कुछ आंकड़े को साफ करने के बारे में अंतिम और प्रामाणिक आंकड़ा जारी करने से पहले चुनाव परिणाम घोषित करने में कोई उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है।

9वीं, 10वीं और 11वीं के मार्क्स से तैयार होगा 12वीं का रिजल्ट!

नई दिल्ली। आने वाले समय में कक्षा 12वीं के रिजल्ट में 9वीं, 10वीं और 11वीं के मार्क्स की अहम भूमिका रह सकती है। दरअसल, यह सिफारिश एनसीईआरटी की इकाई परख ने तैयार की अपनी एक रिपोर्ट में की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कक्षा 9वीं, 10वीं और 11वीं के नंबरों को 12वीं की रिपोर्ट कार्ड में जोड़ा जाए और उसके आधार पर ही 12वीं का रिजल्ट तैयार किया जाए। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि कक्षा 9, 10 और 11 में छात्रों के प्रदर्शन के आधार 12वीं का रिजल्ट तैयार होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर इन तीनों कक्षाओं में छात्र एग्जाम में अच्छा करते हैं और निरंतर कक्षाओं में रहते हैं तो उन्हें उसका फायदा 12वीं के रिजल्ट में मिलना चाहिए। यह सिफारिश एनसीईआरटी की इकाई परख ने की है। इस ईकाई की स्थापना पिछले साल हुई थी। इस ईकाई का जिक्र नई शिक्षा प्रणाली में भी है। रिपोर्ट में सभी स्कूल बोर्डों के मूल्यांकन को संरेखित करने के उपायों की सिफारिश की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 12वीं के अंतिम रिपोर्ट कार्ड में छात्र की कक्षा 9वीं, 10वीं और 11वीं की परफॉरमेंस को शामिल किया जाए। इस रिपोर्ट में 12वीं के रिजल्ट में 9वीं की 15त्न, कक्षा 10वीं की 20 प्रतिशत और कक्षा 11वीं की 25 फीसदी वेटेज की कही गई है।

सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चैप्टर बिहार ने की निंदा

मुजफ्फरपुर में जर्नलिस्ट की हत्या

पटना, इंटरनेट मीडिया सम्राट उजाला न्यूज के संचालक जर्नालिस्ट गौरव कुशवाहा की हत्या की सूचना। मुजफ्फरपुर तुर्की थाना क्षेत्र के छाजन खरियार के रहने वाला था जिसको रात में कुछ अपराधियों ने मारकर आम के पेड़ से घर के पास ही? शव को लटका दिया। परिजन को रो रो कर बुरा हाल। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। पत्रकारों के अन्तर्राष्टीय स्तर पर काम करनेवाली साउथ एशिया की सबसे सक्रिय संगठन सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चैप्टर बिहार ने इस घटना की निंदा की है । इसके अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार शशि भूषण कुमार ने घटना की जांच कर दोषी पर कार्रवाई करने, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। इस संगठन के अमित कुमार विश्वास, कुंदन कुमार, आदिल प्रवेज आदि ने घटना को अत्यंत ही दुखद बताया है।

मीरापुर उप चुनाव को लेकर प्रमुख दलों की तैयारियां तेज, जिताऊ उम्मीदवारों के चयन पर जोर

योगी आदित्यनाथ और जयंत चौधरी की प्रतिष्ठा दांव पर

मीरापुर (मुजफ्फरनगर), सहारनपुर मंडल के मीरापुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की तैयारियों को लेकर सभी प्रमुख दल कमर कसे हुए हैं। उपचुनाव बेहद रोचक होने वाले हैं। वजह इंडिया और एनडीए गठबंधन दोनों प्रदेश की सभी दस सीटों जिन पर उपचुनाव होने वाले हैं जीतने की मंशा रखते हैं। मीरापुर सीट पर 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा समर्थित रालोद उम्मीदवार चंदन चौहान जीते थे। चंदन चौहान बिजनौर सीट से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। रालोद एनडीए गठबंधन में शामिल हैं। विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में इस क्षेत्र में चंदन चौहान की जीत का ग्राफ गिरा है वजह मीरापुर मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में माहौल सपा-कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में था और भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा। विधानसभा उपचुनाव को योगी आदित्यनाथ प्रतिष्ठा का सवाल बनाए हुए हैं। पार्टी के भीतर एक बड़ा तबका योगी आदित्यनाथ को हटवाने पर लगा हुआ है। यदि उपचुनाव नतीजे भाजपा के पक्ष में नहीं गए तो योगी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपने काबिना मंत्री और अनुसूचित जाति के जनाधार वाले नेता अनिल कुमार को मीरपुर क्षेत्र का प्रभारी मंत्री बनाया है। उनके साथ गुर्जर बिरादरी के भाजपा नेता और ऊर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेंद्र तोमर और जाट बिरादरी के बागपत के भाजपा नेता और राज्यमंत्री केपी मलिक को लगाया है। मीरापुर क्षेत्र में जाट और गुर्जर दोनों बिरादरियों का

प्रभाव है और दोनों वर्ग भाजपा के साथ खड़े हैं। समीक्षकों के मुताबिक इंडिया और एनडीए गठबंधन हिंदू गुर्जर बिरादरी के जनाधार वाले व्यक्ति का चयन करने के प्रयासों में लगे हैं। नगीना के निर्दलीय सांसद चंद्रशेखर आजाद भी अपना उम्मीदवार खड़ा करेंगे और मायावती बसपा से उम्मीदवार मैदान में उतारेगी। जयंत चौधरी का मीरापुर सीट पर निर्णायक असर होने के कारण प्रत्याशी चयन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहनी है। इसलिए टिकटार्थी उन्हीं के चक्कर काट रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ जयंत चौधरी के लिए भी मीरापुर प्रतिष्ठापूर्ण सीट है। सांसद चंदन चौहान को भी अपनी जीत को जायज ठहराने के लिए उपचुनाव में पसीना बहाना होगा। यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि टिकट चयन में मंत्री अनिल कुमार और सांसद चंदन चौहान की कितनी चलती है। कई पूर्व सांसद और नेता जयंत चौधरी पर टिकट के लिए दबाव बनाए हुए हैं। दूसरी ओर सपा के मुख्य प्रवक्ता और राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल से कहा कि अखिलेश यादव उपचुनाव में भी लोकसभा चुनाव जैसी कारगर रणनीति और प्रत्याशी चयन पर ध्यान दे रहे हैं।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

इंदौर नगर निगम का बजट आज, बढ़ सकता है जलकर और संपत्तिकर... वन टाइम सेटलमेंट योजना 5 अगस्त से

इंदौर । इंदौर नगर निगम का वर्ष 2024-25 का बजट आज पेश हो रहा है। साढ़े सात हजार करोड़ से ज्यादा के इस बजट में निगम दो आवासीय योजनाएं घोषित करने जा रहा है। इसके अलावा बकाया जलकर की वसूली के लिए प्रस्तावित वन टाइम सेटलमेंट योजना भी 5 अगस्त से शुरू करने की योजना है। इंदौर निगम के पिछले बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया था, लेकिन इस बार जलकर की दर 200 से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिमाह करने और संपत्तिकर की दर में दो रुपये वर्गफीट की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इस बार मास्टर प्लान के एमआर-3, एमआर-4 और एमआर-5 को बनाने के लिए प्रस्ताव किया है। एमआर-4 कुर्मेड़ी बस स्टेशन से जुड़ेगा। सिंहस्थ को देखते हुए कान्ह नदी के आसपास ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाने का भी प्रस्ताव है। केंद्र ने इसके लिए 511 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। वहीं निगम डिजिटलाइजेशन के लिए भी बजट में राशि का प्रविधान किया है। इधर कांग्रेस ने विरोध की तैयारी कर ली है। कांग्रेस का कहना है कि प्रदेश के किसी भी शहर में इतना ज्यादा जल कर नहीं लिया जाता है।

योजनाओं में भूखंड और बहुमंजिला इमारतों का होगा प्रविधान आज पेश होने वाले बजट में प्रस्तावित दो आवासीय योजनाओं में आवासीय भूखंड और बहुमंजिला भवनों का प्रस्ताव किया जाएगा। वन टाइम सेटलमेंट योजना को 5 अगस्त से लागू कर दिया जाएगा। इस योजना से निगम को 200 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

इंदौर में लाइव मौत, पत्नी स्क्रीन रिकॉर्डिंग करती रही और पति ने लगा ली फांसी

इंदौर। इंदौर में 30 वर्षीय व्यक्ति ने पारिवारिक कलह में अपनी पत्नी को वीडियो कॉल करके फांसी का फंदा लगा लिया। उसकी पत्नी ने इस घटना का मोबाइल में स्क्रिन रिकॉर्डिंग कर लिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह ने बताया कि परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के निवासी मनोज निर्मल (30) का अपनी पत्नी से विवाद था और अनबन के चलते वह इन दिनों मायके में रह रही थी। मनोज ने रविवार की शाम को फांसी का फंदा बनाया फिर नागदा में रह रही पत्नी जयश्री को वीडियो कॉल किया और वापस लौटने के लिए कहा। जब वह नहीं मानी तो मनोज ने वीडियो कॉल पर ही उसके सामने फांसी लगा लिया। जयश्री स्क्रीन रिकॉर्डिंग ऑन करके उसको तड़पता देख रही थी। कुछ देर बाद जयश्री ने यही वीडियो पति मनोज के मोबाइल पर भेज दिया। जिसे सोमवार सुबह पुलिस ने देखा। अमरेंद्र सिंह ने बताया कि एक निजी कंपनी में कूरियर डिलीवरी का काम करने वाले निर्मल ने अपनी पत्नी को रविवार को वीडियो कॉल किया और छत के पंखे पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सिंह ने बताया कि निर्मल की पत्नी ने इस घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया जिसे पुलिस ने उससे बरामद कर लिया है। उन्होंने निर्मल की पत्नी के नाम का खुलासा किए बगैर बताया कि आत्महत्या के मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। सिंह ने बताया कि निर्मल के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। बता दें कि इस घटना के बाद से इंदौर में सनसनी फैल गई है।

बिना कोई परमिशन लिए सस्ता प्लॉट खरीदना पड़ा भारी...

मकान बनाकर रह रहे थे, अब चला बुलडोजर

इंदौर। इंदौर के न्यायनगर की कृष्णबाग कॉलोनी में प्रशासन ने भले ही 15 मकान तोड़कर कार्रवाई रोक दी हो, लेकिन अभी भी शेष मकानों पर कार्रवाई का संकट टला नहीं है। प्रशासन ने लोगों को मकान खाली करने के लिए छह अगस्त तक का समय दिया है। इसके बाद प्रशासन फिर कार्रवाई करेगा। कॉलोनी के रहवासियों को बगैर अनुमतियों के सस्ते में भूखंड खरीदने का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। भले ही वर्षों से यह लोग यहां पर रहते आ रहे हैं, लेकिन न्यायालय ने इस जमीन को श्रीराम बिल्डर की जमीन माना है और रहवासियों के मकानों को अतिक्रमण बताया है। प्रशासन जिस तत्परता से अब इन्हें हटाने की कार्रवाई कर रहा है, निर्माण के दौरान प्रशासन, नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी मूक दर्शक बनकर नहीं बैठे होते और तभी कार्रवाई हो जाती, तो यह प्रक्रिया इतनी आगे नहीं बढ़ती। बरसात में लोगों को अपने आशियाने उजड़ने की नौबत भी नहीं आती।

रहवासियों को उम्मीद थी कि नहीं होगी कार्रवाई न्यायनगर की 7.87 एकड़ जमीन का विवाद कई वर्षों से न्यायालय में चल रहा है। श्रीराम बिल्डर के पक्ष में फैसला आने के बाद अब जमीन खाली कराने की कार्रवाई चल रही है। कृष्णबाग कालोनी के रहवासियों को फरवरी से नोटिस दिए जा रहे हैं। एक सप्ताह पहले मकानों पर निशान भी लगाए गए। इसके बाद भी रहवासियों ने मकान खाली नहीं किए। रहवासियों को भरोसा था कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के घर तोड़ने की हिम्मत प्रशासन नहीं करेगा। कार्रवाई के दौरान लोग रोते-बिलखते अपनी मजबूरी बताते रहे। अब बारिश के बीच लोगों को किराए के मकान खोजने पड़ रहे हैं।

दूसरे दिन मलबे से बरसते पानी में निकाली सामग्री शुक्रवार को प्रशासन ने कार्रवाई कर 15 मकानों को तोड़ा था। शनिवार को इन मकानों के मलबे में दबा सामान लोग निकालते रहे। बरसते पानी में मलबे में दबा सामान निकालकर पास के घरों में ही रखा जा रहा है। जिनके मकान टूटे हैं, उन्हें पडोस के मकानों में ही आसरा दिया। इनके खाने-पीने की व्यवस्था भी पडोसी कर रहे हैं। इनके सामने अब किराये का मकान ढूंढने की समस्या उत्पन्न हो गई। वर्षों की जमा पूंजी लगाकर मकान बनाए थे, जो अब जमींदोज हो चुके हैं।

जूनियर डाक्टरों ने किया प्रर्दशन तख्तियां लेकर लगाए नारे

इंदौर। इंदौर में जूनियर डाक्टरों ने सोमवार को मरीजों का इलाज करने के बजाए प्रदर्शन किया। एमवाय परिसर के बाहर हाथों में तख्तियां लेकर वे नारेबाजी करते नजर आए। उनका कहना था कि दूसरे राज्यों की अपेक्षा प्रदेश सरकार जूनियर डाक्टरों को कम मानदेय दे रही है। इससे उनका गुजरा मुश्किल हो रहा है। उधर जूनियर डाक्टर इस बात से भी नाराज है कि पीजी नीट की तिथि चार बार बदल चुकी है। अभी भी तिथि तय नहीं हो पाई है। इससे छात्रों के साल बर्बाद होने का खतरा है। प्रदर्शन कर रहे जूनियर डाक्टर सुबह नारेबाजी करते हुए अस्पताल के मुख्य गेट पर पहुंचे। उनके हाथ पर जो तख्तियां थी। उन पर लिखा था- घर पर भेजू आखिर कैसे, जब मुझे ही नहीं मिल रहे पैसे। काम करते है पूरे मन से, लेकिन परेशान है वेतन से। एक जूनियर लेडी डाक्टर के हाथ में जो तख्ती थी। उस पर लिखा था- मध्य प्रदेश भारत का दिल, लेकिन अब दिल की सेवा करना मुश्किल।

प्रदर्शनकारी डाक्टरों का कहना था कि परिवार भी उन पर आश्रित है, लेकिन सरकार इतना मानदेय नहीं दे रहे है कि वे घर पर पैसा पहुंचा सके। अस्पताल में भी वर्क लोड ज्यादा रहता है। सरकार हमारी मांगे नहीं मानेगी तो हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला भी ले सकते है। जूनियर डाक्टरों ने नारेबाजी कर अपना रोष जताया।

मेडिकल कॉलेज डीन को लिखे पत्र में कहा गया है कि अप्रैल 2024 से इंटर्नशिप शुरू हो चुकी है लेकिन जितना पैसा दिया जा रहा है, वह कम है। योग्यता और काम के घंटों के हिसाब से यह राशि कम है। दूसरे राज्यों में दी जाने वाली राशि की तुलना में आधी है। हमारी वार्षिक फीस 1 लाख रुपए है जो पिछली कक्षाओं में ली जाने वाली फीस की तुलना में दोगुनी है। वित्तीय दबाव के कारण कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। सोमवार को उन्होंने प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे मांगे नहीं नहीं होने तक काम नहीं करेंगे।

रैंकर्स इंटरनेशनल विद्यालय में इंटर-स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

इंदौर। 26 जुलाई से 29 जुलाई के दौरान आयोजित प्रतिष्ठित स्वर्गीय श्री हरीश चंद्र बिरथरे इंटर-स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और उत्कृष्ट खेल भावना के साथ हुआ। प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में निर्मल शाक्य (जीएसटी विभाग के सहायक आयुक्त) और सुमित रघुवंशी (ओबीसी विभाग के सहायक निदेशक) मुख्य अतिथियों के रूप मैं उपस्थित रहें। निर्मल शाक्य ने इस पहल की सराहना की और इसे खेल भावना को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर सुमित रघुवंशी द्वारा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उत्कृष्ट खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने विभिन्न स्कूलों के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को एकत्र किया, जिन्होंने कौशल, टीमवर्क और समर्पण का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में 25 से अधिक सीबीएससी स्कूलों ने भाग लिया, जिनमें अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 के बालक तथा बालिका वर्ग की दोनों श्रेणियों में मैच आयोजित किए गए।

स्वर्गीय श्री हरीश चंद्र बिर्थरे इंटर-स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेताओं में अंडर - 15 बालक वर्ग में विजेता- काव्य शर्मा, सेंट नॉरबर्ट स्कूल, उप-विजेता- अगम भंडारी, सेंट नॉबर्ट विद्यालय, द्वितीय उप-विजेता- प्रणव शर्मा, गोल्डन इंटरनेशनल विद्यालय हैं। अंडर - 15 बालिका वर्ग में विजेता: मिश्का गुप्ता, द शिशुकुंज इंटरनेशनल विद्यालय, उप-विजेता: अरीता बिनू, सेंट नॉबर्ट स्कूल

द्वितीय उप-विजेता: सृष्टि चौहान, क्वींस कॉलेज रहे।

अंडर - 17 बालक वर्ग में विजेता- युवराज तिवारी, दिल्ली पब्लिक विद्यालय,

उप-विजेता: आराध्य भंडारी, सेंट नाबर्ट स्कूल, द्वितीय उप-विजेता: अक्षत लाहोटी, रैंकर्स इंटरनेशनल विद्यालय रहे। अंडर - 17 बालिका वर्ग में विजेता- गौरी वशिष्ठ, गोल्डन इंटरनेशनल विद्यालय, उप-विजेता: अदिति बाम, माउंट इंडेक्स विद्यालय, द्वितीय उप-विजेता: पार्थिवी पंचाल, क्वीन कॉलेज रहीं।

अंडर - 19 बालक वर्ग में विजेता- जयेश दिवाकर, एल्पाइन पब्लिक विद्यालय,

उप-विजेता: हार्दिक नागर, चोइथराम विद्यालय, नॉर्थ कैंपस, द्वितीय उप-विजेता: देवांश बुखारिया, चोइथराम विद्यालय, नॉर्थ कैंपस रहे।

अंडर - 19 बालिका वर्ग में विजेता- ऋतिका खाबिया, चोइथराम विद्यालय, माणिक बाग, उप-विजेता: ईवा शर्मा, द शिशुकुंज इंटरनेशनल विद्यालय, द्वितीय उप-विजेता: वियना दोखे, सेंट नॉबर्ट विद्यालय रहीं।

29 जुलाई को आयोजित पुरस्कार समारोह के साथ प्रतियोगिता का समापन हुआ, जहां विजेताओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। रैंकर्स इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य डॉ. ममता द्विवेदी ने प्रतिभागियों की उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की और उन्हें खेल और अकादमिक दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने आगे कहा इस आयोजन के माध्यम से हम स्वर्गीय श्री हरीश चंद्र बिरथरे की शिक्षा के प्रति समर्पण की विरासत को भी श्रद्धांजलि देते है,जो हमे अनवरत प्रेरित करती रहेंगी। कार्यक्रम के अंत मैं विद्यालय उप - प्राचार्या श्रीमती माधवी सिन्हा द्वारा इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार प्रदर्शित किया गया।

प्रताड़ना के केस में समझौता नही कर रही थी पत्नी, ससुराल पक्ष की पिटाई

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया में मायके में रह रही एक महिला ने पति के खिलाफ पूर्व विवाद के चलते प्रताड़ना और मारपीट का केस दर्ज कराया। पीड़िता इस मामले में समझौता नहीं कर रही थी। इसे लेकर आरोपी दोस्तों को लेकर ससुराल पहुंचा और पत्नी,सास,ससुर और साली की डंडों से बुरी तरह से पिटाई कर दी। हमले के दौरान साली बेहोश हो गई। आसपास के लोगों ने बचाव किया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति और उसके साथियों पर एक और केस दर्ज कर लिया है। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोनू बड़ोलिया की शिकायत पर उसके पति राहुल बड़ोलिया और उसके साथियों पर केस दर्ज किया गया है। सोनू ने बताया कि उसकी शादी ग्राम पालिया में 2015 में हुई थी। शादी से दो बच्चे हैं। पति ने दो माह पहले मारपीट की। जिसमें मांगलिया चौकी पर केस दर्ज कराया और अपने माता-पिता के पास ग्राम अरंडिया में आ गई। एक दिन पहले रात में पति राहुल अपने साथियों के साथ पहुंचा और गालियां देने लगा। पिता आवाज सुनकर बाहर आए। तो उन्हें घेरकर सभी ने डंडों से पीट दिया। वह सड़क पर गिर गए। उन्हें सभी बुरी तरह से पीटते रहे। पिता की आवाज सुनकर सोनू बाहर आई तो पति ने उसे भी मारा। तभी मां सुनीता चौहान और बहन तन्नू भी बाहर आ गए। उन्होंने बचाव किया। तब तन्नू को लात-घूंसों से बुरी तरह से मारा। वह बेहोश हो गई। राहुल और उसके साथी उसे सड़क पर घसीटते हुए ले गए।

इस बीच आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने राहुल और अन्य लोगों को रोका। तब राहुल ने कहा कि इन्हें समझाना की पुराने वाले मामले में समझौता करें और चुपचाप अपने घर चले। तभी इन्हें छोड़ेंगे। बाद में बहन और पिता को अस्पताल भेजा। यहां उपचार के बाद पति राहुल और उसके साथियों के बारे में पुलिस को जानकारी दी।

रेस्टोरेंट संचालिका से अश्लील हरकत, लोगों ने पकड़कर पीटा

इंदौर। एमआईजी में एक रेस्टोरेंट एंड बेकरी संचालिका के साथ अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। आरोपी ने उसके घर पर जाकर अश्लील हरकत की और अर्धनग्न हो गया। वह युवती को मारपीट करते हुए सड़क पर ले आया। उसके कपड़े भी फाड़ दिए। पड़ोसियों ने उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। एमआईजी पुलिस के मुताबिक 32 साल की रेस्टोरेंट संचालिका ने सुजीत दया नाम के आरोपी पर छेड़छाड़ सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया है। रविवार को युवती अपनी नानी के साथ घर पर थी। तब आरोपी सुजीत आया और कपड़े खोल कर अपशब्दों का प्रयोग करने लगा। सुजीत की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। उसने संचालिका को पकड़कर बाहर सड़क पर ले आया। यहां अश्लील इशारे कर कपड़े फाड़ दिए। लोगों ने सुजीत की इस हरकत पर उसे पकड़ा और जमकर पिटाई कर दी। बाद में उसे घायल हालत में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

वैष्णवधाम मंदिर में गूंजे देशभक्ति के तराने

इंदौर। भारत की बेटी मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक 2024 के दस मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर सोमवार को श्री जाग्रति महिला मंडल की सदस्याओं ने वैष्णव देवी मंदिर में भक्तों के साथ तिरंगा फहराया। इसके साथ ही सभी भारतीय खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रार्थना की एवं शुभकामनाएं भी दी। उल्लेखनीय है कि हरियाणा की 22 साल की मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

स्वास्थ्य जागरूकता पर संवादकार्यक्रम संपन्न

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर हुई चर्चा

इंदौर। केयर सीएचएल अस्पताल ने रविवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम स्वास्थ्य जागरूकता पर एक संवा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और इमरजेंसी स्थिति के बारे ने जानकारी देना था। यह आयोजन अस्पताल के ऑडिटोरियम, एलआइजी स्क्वेयर पर हुआ और इसमें जिले के सभी सरपंचों और सचिवों ने भाग लिया। प्रमुख डॉक्टरों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर विशेष चर्चाएं की गईं। सरपंचों और सचिवों ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी साझा की और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। यह चर्चा स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। इस दौरान वहां मौजूद लोगों को इमरजेंसी स्थिति के बारे के जानकारी दी गई। साथ ही ऐसी स्थिति को कैसे संभाला जाए और क्या उपचार कर मरीज की जान बचाई जाए इस पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों की हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, पेट रोग, और मूत्र रोग जैसी समस्याओं की निशुल्क जांच की गई। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुई, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सीमित हो सकती है। कई लोगों ने अपनी बीमारियों को लेकर प्रमुख डॉक्टरों से परामर्श लिया। इस अवसर का लाभ उठाकर लोगों ने अपने स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों के उत्तर पाए और आवश्यक चिकित्सा सलाह प्राप्त की। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सरपंचों और सचिवों ने इस आयोजन की सराहना की और इसे अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना। इस संवाद ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन किया, बल्कि भविष्य में उन्हें सुधारने के लिए एक स्पष्ट दिशा भी प्रदान की। अस्पताल के निदेशक मनीष गुप्ता ने बताया कि केयर सीएचएल अस्पताल, इंदौर का एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है।

मप्र को है चिंता: दिल्ली की घटना के बाद एमपी में बेसमेंट में चल रहे सभी कोचिंग संस्थानों की होगी जांच, सीएम मोहन यादव ने दिए निर्देश

दिल्ली कोचिंग हादसे के बाद मध्यप्रदेश भी अलर्ट मोड में है। मप्र के सीएम मोहन यादव ने इसे लेकर एक बड़ा आदेश जारी किया है। इस घटना के प्रकाश में मध्यप्रदेश के बेसमेंट में संचालित कोचिंग केंद्रों के सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। भोपाल स्थित मंत्रालय में समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये निर्देश दिए हैं।

बेसमेंट में चल रहे सभी कोचिंग संस्थानों की होगी जांच

भोपाल। देश की राजधानी दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे को लेकर अब भी कई सवाल हैं। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की डूबकर मौत हो गई। इस घटना के बाद छात्रों में गुस्सा है तो वहीं कोई भी इस हादसे की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सोमवार को इस मामले की गूंज देश की संसद में भी सुनाई पड़ी। इस हादसे की जिम्मेदारी सभी एक दूसरे पर डाल रहे हैं। इस हादसे के बाद सोमवार को अतिक्रमण तोड़ने बुलडजोर पहुंचे। इस एक्शन पर लोग पूछ रहे हैं कि यह पहले क्यों नहीं हुआ। बेसमेंट वाले कोचिंग सेंटर को पहले भी सील किया जा सकता था। जो बुलडजोर अतिक्रमण तोड़ने पहुंचे वह पहले भी पहुंच सकते थे। इन तमाम सवालों के बीच जो सबसे बड़ा सवाल है कि तीन छात्रों की मौत का जिम्मेदार कौन? इस बीच मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार शाम तीन छात्रों की डूबकर हुई मौत को लेकर दुख जताया। वहीं, सीएम ने इस मामले को लेकर प्रदेश में भी सभी तरह की सावधानी बरतने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राज्य भर में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण करें। सीएम ने कहा कि दिल्ली की हालिया घटना को देखते हुए मध्यप्रदेश में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटरों का सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

16 नगर निगम आयुक्तों को जारी हुआ निर्देश

भोपाल में मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद अधिकारियों ने बताया कि राज्य में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों में जलभराव की स्थिति में जल निकासी व्यवस्था की जांच करने और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 16 नगर निगम आयुक्तों को निर्देश जारी किए गए हैं। इस दौरान आयुक्तों को निरीक्षण रिपोर्ट पेश करने को भी कहा गया है।

सीएम ने दिए हैं ये निर्देश

प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्यमंत्री बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों के निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। जल भराव होने पर जल निकासी की व्यवस्था देखने और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजौरा ने बताया कि 16 नगर निगम कमिश्नर्स को निर्देश जारी कर कहा गया है कि वे अपने कार्यक्षेत्र में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों और अन्य धर्मशालाओं और संस्थाओं का निरीक्षण कर प्रतिवेदन सौंपें।

मप्र में कोचिंग संस्थानों की भरमार

मध्यप्रदेश के बड़े शहरों में हजारों की संख्या में कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। राजधानी भोपाल में भी सैकड़ों कोचिंग हैं। इसमें लाखों की संख्या में छात्र पढ़ते हैं। सबसे अधिक कोचिंग सेंटर एमपी नगर में हैं। इसके बाद इंदौर और ग्वालियर में भी बड़ी संख्या में कोचिंग सेंटर हैं। सभी जगहों पर सीएम के निर्देश के बाद कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही कमियां पाई जाएगी तो कार्रवाई की होगी। सीएम के आदेश का असर पूरे मध्यप्रदेश में शायद मंगलवार से दिखने लगेगा।

राज्य फ्लड कंट्रोल रूम पहुंचे सीएम

मध्यप्रदेश में झमाझम बारिश का दौर जारी है। लगातार बारिश से बांधों में पानी भरा रहा है। अब पानी के लेवल को मेंटनेन करने के लिए प्रशासन की तरफ से बांधों के गेट खोले जा रहे हैं। इससे तटीय इलाकों में बाढ़ के हालत बन सकते हैं। इसको लेकर प्रशासन अलर्ट है। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि दिल्ली से लौटने के बाद सीधे अचानक राज्य आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे। उन्होंने प्रदेश के जिलों में अति वर्षा की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसे स्थान जहां भी पुल के ऊपर पानी बह रहा हो तो वहां नागरिकों को नहीं जाना चाहिए। इस संबंध में सभी सजग रहे। बांधों के गेट खुलने की स्थिति में सतर्क रहें। जो क्षेत्र जलमग्न हो सकते हैं वहां आवश्यक सावधानी रखी जाए। जनहानि ना हो, यह ध्यान रखा जाए। कंट्रोल रूम में भी वरिष्ठ अधिकारी समय-समय पर उपस्थित रहें और जिलों में प्रशासनिक अधिकारी सभी प्रबंध सुनिश्चित करते रहें।

इंदौर के छात्रों ने उठाए सवाल

दिल्ली में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत के बाद इंदौर के विद्यार्थियों ने शहर के कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा के इंतजामों पर सोमवार को सवाल उठाए। इंदौर में सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी में जुटे अभ्यर्थियों के अगुवा आकाश पाठक ने आरोप लगाया कि शहर में संचालित कई कोचिंग संस्थानों में क्षमता से बेहद ज्यादा विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाया जाता है और वहां सुरक्षा इंतजामों का अभाव है। पाठक के मुताबिक इंदौर में फिलहाल करीब चार लाख विद्यार्थी सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

मप्र में ऐसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए

दिल्ली में बेसमेंट में हुई इस घटना से हमें सबक लेना चाहिए, मैंने प्रदेश से सभी कलेक्टर्स और एसपी, एनडीआरएफ की टीम को निर्देश दिए हैं कि वे तालमेल में रहें, प्रदेश में ऐसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए इसकी जवाबदारी आप की है।

-डॉ मोहन यादव, मुख्यमंत्री

इंदौर के कोचिंग सेंटर्स के इंतजामों की जांच करेंगे

हम इंदौर के कोचिंग संस्थानों की जांच करेंगे। जांच दल में प्रशासन, इंदौर नगर निगम, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है। हम नगर निगम के जरिये जानकारी जुटा रहे हैं कि इमारतों के बेसमेंट में कितने कोचिंग संस्थान संचालित किए जा रहे हैं? हम इन संस्थानों में आग, बाढ़ और बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं के खतरों से निपटने के इंतजामों की जांच करेंगे।

-आशीष सिंह, कलेक्टर इंदौर

उपराष्ट्रपति बोले- कोचिंग की कार्य संस्कृति अब गैस चैंबर में तब्दील

राज्यसभा में सोमवार को दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, मुझे लगता है कि आज के दौर में कोचिंग वास्तव में व्यापार का जरिया बन गई है। जिस तरह से ऐसे संस्थानों में कमाई की जा रही है, उससे लगता है कि शिक्षा के व्यवसायीकरण के मामले में कोचिंग सेंटर आगे निकल गए हैं। आज के दौर में ऊंची कमाई के साथ कोचिंग का व्यापार खूब फल-फूल रहा है। जब भी हम कोई अखबार पढ़ते हैं तो, इसके पहले पन्ने पर कोचिंग व्यवसाय से जुड़े विज्ञापन नजर आते हैं। विज्ञापन पर खर्च किया जाने वाले एक-एक पैसा छात्रों की तरफ से आ रहा है। कोचिंग के लिए बनाई जाने वाली हर एक बिल्डिंग को छात्रों के पैसे से तैयार किया जा रहा है। जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि कोचिंग की कार्य संस्कृति अब गैस चेंबर में तब्दील हो गई है। उन्होंने कहा, ह्यएक देश जहां अवसर प्राप्त करने के क्षेत्र में विस्तार हो रहा है, वहां कोचिंग एक समस्या में तब्दील हो रही है। यह अब गैस चैंबर की तरह बन गई है। धनखड़ ने कहा कि कोचिंग एक फलता-फूलता उद्योग बन गया है, जिसमें हाई रिटर्न मिलता है। विज्ञापनों की जांच की जानी चाहिए। जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा सदस्यों से अनुरोध किया कि युवाओं को देश में रोजगार के अन्य अवसरों के बारे में भी जानकारी दें।

सावधान रहें, डेंगू बन सकता है जानलेवा... भोपाल में बर्तनों में मिले सबसे ज्यादा लार्वा

भोपाल। सतर्कता जरूरी है, नहीं तो डेंगू जानलेवा साबित हो सकता है। विभाग द्वारा किए एक सप्ताह के सर्वे में आठ हजार से अधिक घरों में डेंगू का लार्वा पाया गया है। मलेरिया विभाग की टीम लगातार घरों में जाकर सर्वे कर रही है। टीमों ने अभी तक दो लाख 75 हजार, 176 घरों का सर्वे किया है, जिसमें लगभग आठ हजार घरों में डेंगू का लार्वा पाया गया है। इन घरों में फूलों और पौधों के गमलों से लेकर पानी के बर्तनों, कूलरों एवं कंटेनरों में लार्वा जमा मिला है। खासबात यह कि घर के बर्तनों में सबसे ज्यादा लार्वा पाया गया है। इस दौरान अधिकारियों ने 1997940 बर्तनों का सर्वे किया गया, जिनमें आठ हजार 976 बर्तनों में खतरा पाया गया है। जांच के दौरान तीन हजार 187 कंटेनरों में खतरे की आशंका दिखाई दी है, जिनमें भारी लार्वा होने की उम्मीद है। इन कंटेनरों को खाली कराकर टोमोफास डाला गया। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में लार्वा सर्वे का काम

और भी अधिक प्रभावी तरीके से चलेगा। इसके लिए टीमें भी बढ़ाई जाएंगी। बतादें कि अभी तक भोपाल में डेंगू के मरीजों की संख्या 82 हो गई है। जांच के दौरान पता चला कि लार्वा से डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर पनप रहा है। यह स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हालात यह है कि हर दिन डेंगू का मरीज सामने आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग अपनी टीमों को लगातार सर्व करने के लिए भेज रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अखिलेश दुबे के अनुसार वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश पर यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। सर्वे के लिए 50 टीमों को मैदान में उतारा गया है, जो लगातार अपनी रिपोर्ट बना रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम इसके साथ ही लोगों को जागरूक भी कर रही है।

भोपाल के बैरसिया क्षेत्र में तालाब में डूबे 3 बच्चे

एक का शव रात को, दो के सुबह निकाले गए

भोपाल । बैरसिया थाना क्षेत्र के ललरिया गांव में सोमवार को तालाब में तीन बच्चे डूब गए।घटना का पता चलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू कर दी थी। इस दौरान एक बच्चे का शव तालाब से निकाल लिया गया था। दो बच्चों के शव सुबह निकाले गए।जानकारी के अनुसार ललरिया गांव के रहने वाले तीन बच्चे शाम पांच बजे घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटे तो उनकी स्वजनों ने तलाश शुरू कर दी थी। इस दौरान गांव से दो किलोमीटर दूर स्थित तालाब के किनारे कपड़े रखे हुए मिले। इससे स्वजनों ने पुलिस को सूचना दे दी थी। इससे पुलिस टीम और गोताखोर मौके पर पहुंचे और बच्चों की तलाश शुरू

कर दी थी। इस दौरान एक बच्चे का शव तालाब से बाहर निकाल लिया गया था। जबकि देर रात साढ़े 11 बजे तक दो बच्चों की तलाश करने रेस्क्यू जारी था। बच्चों के नाम राज, नीलेश और एहतेशाम बताए जा रहे हैं। रात को राज अहिरवार का शव मिला जबकि नीलेश और एहतेशाम का शव सुबह निकाला गया।

बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों संचालित करें

प्रदेश में किया जा रहा है विज्ञान का लोकव्यापीकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में विज्ञान का लोकव्यापीकरण किया जा रहा है। सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से कई वैज्ञानिक कार्य क्रियान्वित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की घोषणा पर 23 अगस्त, 2024 को उज्जैन में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकासीय गतिविधियां संचालित हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रमुख वैज्ञानिकों को संभाग स्तरीय मेलों में आमंत्रित किया जाए। विज्ञान से जुड़े प्रतिभाशाली बच्चों को भी मेलों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उज्जैन में संभाग स्तरीय विज्ञान मेला एवं नेशनल स्पेस डे के आयोजन के संबंध में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी विभागों के लिए ई-सर्विस पार्टल बनाया गया है। विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने के लिए आईटी की महती भूमिका हो। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए साइबर अपराध को रोकने के प्रयास हों। आईटी पार्कों की संख्या बढ़ायें, आय बढ़ाने के लिए भी प्रयास हों। उन्होंने कहा कि नीमच में मसाला उद्योग का बड़ा स्कोप है, जिसके विकास के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विज्ञान मेलों में प्रदर्शनी लगाएं, प्रदेश में विज्ञान का माहोल बनाएं। रिसर्च की गतिविधियों को बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर के उतरने और प्रज्ञान रोवर के परिनियोजन से चंद्रयान-3 की सफलता के साथ भारत चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश बन गया है। साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरने वाला अंतरिक्ष अग्रणी राष्ट्रों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। इस ऐतिहासिक मिशन के परिणाम से आने वाले वर्षों में मानव जाति को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्य धरातल पर दिखें और नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उज्जैन का वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। उज्जैन को अनुसंधान केंद्र बनाने की कोशिश करना चाहिए। साईंस टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए। डोंगला का रिसर्च सेन्टर संचालन के लिए विभिन्न पदों की पूर्ति कर ली जाए। डिफेंस के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को बड़ा रिसर्च का केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईटी की तर्ज पर हों। उज्जैन में प्रस्तावित विज्ञान सिटी के कार्य शीघ्रता से किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाने का माहौल बनाएं। संभागीय केन्द्रों पर विज्ञान की गतिविधियां बढ़नी चाहिए। उज्जैन में विज्ञान केंद्र का भवन तैयार कर लिया गया है। उज्जैन में तारा मंडल का अपग्रेडेशन हो चुका है। जनप्रतिनिधियों को इसका अवलोकन कराया जाए। खगोलीय वेधशाला डोंगला के ऑटोमेशन का कार्य अंतिम चरण में है। ग्रामीण प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग केंद्र औबेदुल्लागंज में तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आयोजित हो रही इन्वेस्टर्स समिट के साथ आरोग्य एक्सपो का आयोजन किया जाए। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए स्पेस ऑन व्हील्स बस का निरीक्षण कराया जाए। ड्रोन तकनीकी का उपयोग कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी किया जाए। रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए कॉन्फ्रेंस आयोजित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश के अनुक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग के साथ संयुक्त रूप से संभागीय स्तर पर विज्ञान मेला आयोजित किए जाएंगे। इसमें खगोल विज्ञान, नवीन विज्ञान, अंतरिक्ष एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं के लिए संभावनाएं एवं अवसर प्राप्त होंगे। इसरो और अन्य वैज्ञानिक संगठनों के समन्वय के साथ संभागीय स्तर पर विज्ञान मेला का आयोजन प्रस्तावित है। नवीन एवं प्राचीन वैज्ञानिक पद्धतियों, खगोल, अंतरिक्ष एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी आदि विषयों पर 10 संभागीय मुख्यालयों में आयोजन किए जाएंगे, जिससे जनमानस में वैज्ञानिक चेतना का संचार एवं विकास हो सके। इस मेले के माध्यम से वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, नवाचारों एवं जनमानस को वैज्ञानिक लाभ होगा एवं विज्ञान के नवीन क्षेत्रों में रोजगार का सृजन हो सकेगा। एमपीसीएटी द्वारा उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग, आईआईटी, इंदौर, आईआईटी एवं गांधीनगर के सहयोग से अंतरिक्ष दिवस के अंतर्गत 20-21 अगस्त 2024 को कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

साम्पदकीय

देश में बाढ़ की वजह से तबाह हो रही जमीन

भारत में कई जगह मूसलाधार बारिश और बाढ़ के हालातों के बीच एक सरकारी रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। जल आयोग की रिपोर्ट में बताया गया बीते 37 साल में बाढ़ की वजह से देशभर की 2 करोड़ हेक्टेयर से ज्यादा की जमीन तबाह हो गई है। बाढ़ प्रभावित इलाकों पर आई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 1986 से 2022 के बीच 712 जिलों की 2.05 करोड़ हेक्टेयर जमीन बर्बाद हो गई है।

मध्यप्रदेश कई दिन से भीग रहा है। महाराष्ट्र-गुजरात डूब रहा है। तमिलनाडु में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली के भी कुछ इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी। पिछले हफ्ते महाराष्ट्र के पुणे में बाढ़ से हालात इतने बिगड़ गए थे कि सेना को उतारना पड़ गया था। फिर भी कई राज्य ऐसे हैं जहां सामान्य से थोड़ी कम-ज्यादा बारिश ही हुई है। जबकि, कुछ राज्य तो ऐसे भी हैं जो पानी को तरस रहे हैं। भारत में कई जगह मूसलाधार बारिश और बाढ़ के हालातों के बीच एक सरकारी रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। जल आयोग की रिपोर्ट में बताया गया बीते 37 साल में बाढ़ की वजह से देशभर की 2 करोड़ हेक्टेयर से ज्यादा की जमीन तबाह हो गई है। बाढ़ प्रभावित इलाकों पर आई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 1986 से 2022 के बीच 712 जिलों की 2.05 करोड़ हेक्टेयर जमीन बर्बाद हो गई है। इसे ऐसे समझिए कि 37 साल में बाढ़ से जितनी जमीन बर्बाद हुई है, वो गुजरात के क्षेत्रफल से भी ज्यादा है। गुजरात का क्षेत्रफल 1.96 लाख वर्ग किमी है, जबकि बाढ़ से 2.05 करोड़ हेक्टेयर यानी 2 लाख वर्ग किमी की जमीन बर्बाद हो चुकी है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, बाढ़ के मामले में भारत कुछ ज्यादा ही संवेदनशील है। भारत के कुल क्षेत्रफल 32.87 लाख वर्ग किमी में से 4 लाख वर्ग किमी का इलाका ऐसा है, जहां बाढ़ का खतरा बना रहता है। अमेरिका और चीन के बाद भारत तीसरे नंबर पर है, जहां सबसे ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आती हैं। इनमें भी बाढ़ सबसे खतरनाक है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट बताती है कि बाढ़ का सबसे बुरा असर चीन और भारत पर पड़ता है। भारत में हर साल कम से कम 17 जगहों पर बाढ़ आती है। इससे 34.5 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। जबकि, चीन में हर साल औसतन 20 इलाकों में बाढ़ आती है और इसका असर 90 करोड़ लोगों पर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, 2011 से 2020 तक बाढ़ की वजह से हर साल औसतन 15सौ भारतीयों की मौत हुई है। हालांकि, सरकारी आंकड़े इससे थोड़े अलग हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2017 से 2022 के बीच छह साल में बाढ़ ने 4,106 लोगों की जान ली है। यानी, हर साल औसतन 684 लोगों की मौत हुई। भारत दुनिया के उन देशों में है जहां बाढ़ से हालात बहुत ज्यादा खराब हैं। पिछले हफ्ते आई जल आयोग की रिपोर्ट बताती है कि 1986 से 2022 के बीच 2 करोड़ हेक्टेयर से ज्यादा की जमीन बाढ़ से प्रभावित हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी और बिहार के सारे के सारे जिले बाढ़ प्रभावित हैं। यूपी के 75 जिलों का 50 लाख हेक्टेयर से ज्यादा की जमीन बाढ़ से प्रभावित है। वहीं, बिहार के 38 जिलों की 29 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन प्रभावित हुई है। जबकि, असम के सभी 33 जिलों का 24 लाख हेक्टेयर से ज्यादा इलाका बाढ़ से प्रभावित है। यानी, देश में बाढ़ प्रभावित जितना इलाका है, उसका आधा इन्हीं तीन राज्यों में है। इनके अलावा तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे तटीय राज्यों पर भी बाढ़ का खतरा बना रहता है। भारत में मानसून का सीजन जून से सितंबर तक होता है। मानसून को लगभग दो महीने होने वाले हैं। इन दो महीनों में देश के कई इलाकों में तो बारिश जमकर हो रही है, लेकिन अब भी ज्यादातर इलाके ऐसे हैं जो सूखे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, देशभर के 729 जिलों में से 214 यानी 30ब जिले ऐसे हैं, जहां बहुत जमकर बारिश हुई है। जबकि, 237 यानी 33ब जिलों में सामान्य बारिश हो चुकी है, लेकिन 279 यानी 37ब जिले ऐसे भी हैं जहां अब तक बहुत कम बारिश हुई है। इनमें ज्यादातर यूपी, बिहार, झारखंड और बंगाल जैसे राज्य हैं। कई इलाकों में बहुत कम बारिश होने के बावजूद इन राज्यों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी है। उसकी वजह ये है कि यहां एक ही दिन में बहुत ज्यादा बारिश हो गई। इसे फ्लैश फ्लड कहा जाता है। कम समय में बहुत ज्यादा बारिश होने के कारण पानी को निकलने की जगह नहीं मिल पाती और इससे बाढ़ आ जाती है। बीते कई सालों में ये ट्रेंड ज्यादा बढ़ा है। दरअसल, मानसून का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनियाभर के कई हिस्सों में यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सालों पहले तक ऐसा होता था कि चार महीने तक बारिश होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होता। अब कुछ ही समय में बहुत ज्यादा बारिश हो जाती है। कम समय में जरूरत से ज्यादा बारिश होने पर बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। मौसम विभाग ने 1989 से 2018 तक के साउथ वेस्ट मॉनसून के डेटा का एनालिसिस कर मार्च 2020 में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि देश के कई राज्यों में मानसून का पैटर्न बदल रहा है। इन 30 सालों में (1989 से 2018) उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय और नागालैंड में साउथ वेस्ट मॉनसून में भारी कमी देखी गई है।

सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत आज सौभाग्य प्राप्ति के लिए क्या करें क्या न करें

सावन के महीने में मंगला गौरी व्रत का विशेष महत्व है। जो विवाहित महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और पारिवारिक सुख-शांति के लिए रखा जाता है। यह व्रत देवी गौरी को समर्पित होता है और उनके आशीर्वाद से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। सावन का यह पवित्र समय ईश्वर की उपासना और आत्मसुधार के लिए उत्तम अवसर प्रदान करता है। इस दिन का सही तरीके से पालन करने से न केवल व्यक्ति को आत्मिक संतोष मिलता है, बल्कि उनके परिवार में भी सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। सावन के दूसरे मंगलवार को इस व्रत का पालन करते समय कुछ विशेष बातें ध्यान में रखनी चाहिए, जिससे व्रत का पूर्ण फल प्राप्त हो सके।मंगला गौरी व्रत के दिन महिलाएं सबसे पहले स्नान कर शुद्ध और शुभ रंगों के वस्त्र धारण करें फिर व्रत का संकल्प लेकर इसे पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ निभाएं। इस दिन अन्न का सेवन न करें और केवल फल, दूध या फलाहार का ही सेवन करें। व्रत का संकल्प लेने से पूर्व भगवान गणेश और माता पार्वती का ध्यान करें ताकि व्रत सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। इसके बाद, देवी पार्वती की मूर्ति या चित्र स्थापित करें और विधिपूर्वक पूजा करें। पूजा में विशेष रूप से लाल फूल, सिंदूर, कुमकुम, अक्षत, हल्दी, दूध, दही, घी, और शहद का उपयोग करें। पूजन के समय 'ओम मंगलायै नमः' मंत्र का जाप करें।

कथा का श्रवण- मंगला गौरी व्रत की कथा का श्रवण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कथा सुनने से व्रत का फल प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। कथा के माध्यम से महिलाएं देवी गौरी के प्रति अपनी भक्ति और समर्पण को और अधिक सुदृढ़ करती हैं।

भोग और आरती- पूजा के अंत में मंगल गौरी को विशेष भोग अर्पित करें। भोग में गुड़, चने, और विभिन्न प्रकार के मिठाई शामिल करें। इसके पश्चात आरती करें और प्रसाद का वितरण करें।

सुहाग सामग्री का दान- इस दिन सुहागन महिलाएं सुहाग की सामग्री जैसे चूड़ी, बिंदी, सिंदूर, महावर आदि का दान करें। इसे सुहागिन स्त्रियों को देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। यह दान सौभाग्य और वैवाहिक जीवन की खुशहाली के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है।

सुनहरे कल को निगल गई भ्रष्ट व्यवस्था

प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर की इस दर्दनाक हादसे ने देशवासियों को झकझोर दिया। जो युवा आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने संजोकर अपना घर बाहर, सुख सुविधा छोड़कर दिल्ली परीक्षा की तैयारी के लिए गये थे, वो मुनाफाखोर कोचिंग संचालक की धूर्तता, सरकारी अमले की अकर्मण्यता और लापरवाही के चलते अपनी अमूल्य जिंदगी गंवा बैठे।

दिल्ली की प्रतिष्ठित राव कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर की इस दर्दनाक हादसे ने देशवासियों को झकझोर दिया। जो युवा आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने संजोकर अपना घर बाहर, सुख सुविधा छोड़कर दिल्ली परीक्षा की तैयारी के लिए गये थे, वो मुनाफाखोर कोचिंग संचालक की धूर्तता, सरकारी अमले की अकर्मण्यता और लापरवाही के चलते अपनी अमूल्य जिंदगी गंवा बैठे। सोचिये उनके परिवारों पर क्या बीत रही होगी। इस व्यवस्था के व्यवस्थापक इतने गैर जिम्मेदार और लज्जाहीन हैं कि उनकी नजर में किसी की जान की कोई कीमत ही नहीं है। ये हालात राष्ट्रीय राजधानी के पॉश इलाकों में संचालित कोचिंग सेंटर के हैं, दूसरे शहरों और कस्बों की बात ही क्या की जाए। इस साल जलभराव की वजह से दिल्ली की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 22 जुलाई को यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र की मौत करंट लगने से हो गई। असल में दो चार दिन के शोर गुल और कार्रवाई की नौटंकी के बाद व्यवस्था फिर से पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है। सौ प्रतिशत दावे के साथ कहा जा सकता है कि, राव कोचिंग सेंटर मामले में भी कार्रवाई और सख्ती की पुरानी स्क्रिप्ट दोहराई जाएगी। हादसे के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। छात्र सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। छात्र व्यवस्थागत खामियों को गिना रहे हैं। छात्र नारेबाजी कर रहे हैं ह्यछात्रों की हत्या बंद करोह्न... इस मामले में दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। ये हादसा सरकार और कोचिंग संचालकों पर गंभीर सवालों के कटघरे में खड़े करता है।

ये कोई पहला ऐसा हादसा नहीं है जब दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। 15 जून 2023 को दिल्ली में कोचिंग सेंटरों के हब मुखर्जी नगर में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 लोग घायल हो गए। जांच में पता चला कि आग बिजली के मीटर में लगी थी, जो देखते-देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200-250 छात्र मौजूद थे। छात्रों ने आग से बचने के लिए खिड़कियां तोड़ीं, रस्सियों के सहारे नीचे उतरे और सीढ़ियों का सहारा लिया। कुछ छात्रों ने बचने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग तक लगा दी। इसके अलावा 25 जनवरी 2020 को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में कोचिंग सेंटर की दो छतें गिर गईं। इस हादसे में चार छात्रों समेत 5 लोगों की मौत हो गई वहीं 13 लोग घायल हो गए। दिल्ली हो या फिर कोई दूसरा शहर कमोबेश सरकारी अमले की कार्यप्रणाली एक समान ही होती है। हादसे के बाद प्रशासनिक अमला गहरी नींद से ऐसे जागता है मानो उन्हें इस बात का इल्म ही न हो कि उनके क्षेत्र या शहर में क्या अनियमितता हो रही हैं। जब कोई दुर्घटना घटती तब पता चलता है कि व्यवस्था में कितनी खामियां और छेद हैं। और इन खामियों और छेदों से छनकर आने वाला लाभ नीचे से ऊपर तक बंटता है। पूर्व की घटनाओं पर गौर किया जाए तो अधिकतर मामलों में दोषी साफ तौर पर बच जाते हैं, या मामूली सजा पाते हैं। हादसा की जिम्मेदारी तो संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की भी होती है, लेकिन ऐसे मामलों में वो अपना पल्ला झाड़कर किनारे खड़े हो जाते हैं।

बीती 14 अप्रैल 2024 को राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा के एक हॉस्टल में आग लगने से 8 स्टूडेंट्स झुलस गए। घटना के वक्त हॉस्टल में 60 से ज्यादा छात्र मौजूद थें आग लगने के बाद हॉस्टल में भगदड़ मच गई इस बीच एक छात्र ने अपनी जान बचाने के लिए चौथी मंजिल से छलांग लगा दी।जांच में हॉस्टल मालिक की बड़ी लापरवाही सामने आई। हॉस्टल मालिक ने अंदर ही बिजली का एक बड़ा ट्रांसफार्मर लगवाया हुआ था जिसमें शॉर्ट सर्किट होने से यह हादसा हुआ।

लखनऊ के पॉश इलाके हजरतगंज में नवल किशोर रोड पर तीन मंजिला स्कॉलर्स फोरम टॉवर है। इसके पहले तल पर स्कॉलर्स फोरम कोचिंग चलता है। यहां छात्र-छात्राएं आईआईटी और नीट की तैयारी के लिए पढ़ाई करते हैं. दूसरी और तीसरी मंजिल पर हॉस्टल हैं। दूसरी मंजिल के हॉस्टल में 14 कमरों में कुल 28 छात्राएं रह रहीं हैं। 2 जून 2024 की शाम को छात्राएं अपने कमरे में थी। शाम करीब छह बजे तीसरी मंजिल के कमरा नंबर दो की एसी में शॉर्ट सर्किट से धमाका हो गया। इसके बाद तीन मंजिला हॉस्टल में आग लग गई। सभी कमरों में धुआं फैल गया। करीब 28 छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। एक कमरे का शीशा तोड़कर हॉस्टल कर्मियों ने छात्राओं को बाहर निकाला. जानकारी मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। 24 मई 2024 को गुजरात के सूरत के तक्षशिला कॉम्प्लेक्स में चल रही एक कोचिंग में भीषण आग लगने से 23 छात्रों की मौत हो गई। आग बिल्डिंग में आने जाने के लिए बनाई गई सीढ़ियों के पास रखे ट्रांसफॉर्मर में लगी थी। जैसे ही आग लगी अंदर मौजूद छात्र उतरने के लिये नीचे पहुंचे। लेकिन आग की वजह से वह लौटकर चौथी मंजिल पर चले गए, जहां एक फाइबर का शेड था और अंदर जिम के लिए रखी गई रबर की चटाई और टायर के कारण आग ज्यादा फैली, जिससे बच्चे आग की चपेट में आ गई। घटना से हिली सरकार ने पूरे राज्य में वाणिज्यिक भवनों में चलने वाले कोचिंग सेंटरों को बंद करने का आदेश दिया। 31 मई 2024 हरियाणा के पंचकूला के सेक्टर 16 के एससीओ नंबर 195 की प्रथम मंजिल पर बिजली के मीटर बोर्ड में दोपहर लगभग 12 बजे अचानक आग लग गई। आग के कारण काफी धुंआ हो गया और इससे दूसरी मंजिल पर बने हारट्रोन इंस्टीट्यूट में धुआं फैल गया। जिस समय हादसा हुआ, तो हारट्रोन इंस्टीट्यूट में लगभग 25 से 30 विद्यार्थी कंप्यूटर की ट्रेनिंग करने के लिए आए थे। धुंआ फैलने के कारण विद्यार्थियों को सांस लेने में भी समस्या होने लगी। इसके बाद स्थानीय दुकानदार ने दमकल विभाग को सूचित किया, जिसके बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने लोगों की मदद से दूसरी मंजिल पर पहुंचने के लिए लकड़ी की सीढ़ी लगाई और ऊपर जाकर फंसे हुए विद्यार्थियों को बाहर निकालने के लिए प्रयास शुरू किए।

ये घटनाएं उन सरकारी दावों-वादों की पोल खोलती हैं जिनमें ये कहा जाता है कि प्रशासन व्यवसायिक और अन्य गतिविधियों का संचालन नियम कानून के दायरे में करवा रहा है। यह भी अफसोस की बात है कि ऐसे हादसों की जांच तो होती है, लेकिन उनके आधार पर क्या कार्रवाई हुई, यह मुश्किल से ही पता चलता है। लगता है कि हादसों की तरह उनसे संबंधित जांच रपटों को भी भुला दिया जाता है। सरकार को कोचिंग संचालन के सख्त नियम बनाने चाहिएं। वहीं स्थानीय प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, फायर विभाग और अन्य संबंधित विभागों को व्यावसायिक भवनों के निर्माण और संचालन में कागजी कार्रवाई और फाइलों का पेट भरने की बजाय ईमानदारी और पारदर्शिता से नियम कानून का पालन करवाना चाहिए। यहां सवाल देश के युवाओं और छात्रों का है। यहां सवाल देश के भविष्य का है। यहां सवाल छात्रों के अभिभावकों का है। दिल्ली देश की राजधानी है। यहां देशभर से लाखों छात्र भविष्य बेहतर करने का सपना लेकर तैयारी करने आते हैं। दिल्ली में इस तरह के हादसे होना बेहद चिंता की बात है। इस घटना पर एनडीआरएफ और सरकार अपना काम कर रहे हैं लेकिन वो 3 जिंदगियां तो वापस आने से रहीं।

जैसे शूटर मनु भाकर का जीवन बदला, वैसे सभी को राह दिखा सकती है श्रीमद्भगवद् गीता

श्रीमद्भगवद गीता के इस श्लोक का अर्थ है, तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करना ही है। कर्मों के फल पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। अतः तुम निरन्तर कर्म के फल पर मनन मत करो और अकर्मण्य भी मत बनो। पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला मेडल जीतने के बाद शूटर मनु भाकर ने श्रीमद्भगवद गीता के इस श्लोक का जिक्र किया। मनु भाकर ने कहा कि वो श्रीमद्भगवद गीता का नियमित पाठ करती है, जिसमें कहा गया है कि स्वयं कर्म पर भरोसा रखो।

जो बीत गया, उसकी चिंता में डूबने के बजाय लक्ष्य पर फोकस करो। दरअसल, टोक्यो ओलंपिक- 2020 में मेडल की रेस से बाहर होने के बाद मनु भाकर निराशा में डूब गई थी। श्रीमद्भगवद गीता ने मनु को निराशा से बाहर लाने का काम किया। मनु भाकर ने कहा कि जब वो पेरिस ओलंपिक में मेडल के लिए निशाना लगा रही थी तो उसके दिमाग में श्रीमद्भगवद गीता ही चल रही थी। दुनिया की 75 से अधिक भाषाओं में अनुवाद की जा चुकी श्रीमद्भगवद गीता का विश्व की महान विभूतियां नियमित रूप से पाठ करती रही हैं। अपने जीवन में श्रीमद्भगवद गीता की शिक्षा का अनुसरण करती रही हैं। स्वयं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रीमद्भगवद गीता से गहरा लगाव था और उनके जीवन पर श्रीमद्भगवद गीता ने गहरा प्रभाव छोड़ा था। सस्ता साहित्य मंडल नई दिल्ली से महात्मा गांधी के लेखों पर प्रकाशित पुस्तक गीता की महिमा में उनके धार्मिक विचारों की झलक मिलती है। एक लेख में महात्मा गांधी ने लिखा कि गीता शास्त्रों का दोहन है। गीता मेरे लिए माता हो गई है। जब कभी संदेह मुझे घेरते हैं और मेरे चेहरे पर निराशा छाने लगती है तो मैं गीता को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखता हूं। गीता में मुझे एक छंद मिल जाता है, जो मुझे साथ सांत्वना देता है। मैं कष्टों के बीच मुस्कराने लगता हूं। भारत के मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी श्रीमद्भगवद गीता से बेहद प्रभावित थे और उसका नियमित पाठ करते थे। अपनी आत्मकथा विंग्स ऑफ फायर में उन्होंने अपने गीता से जुड़ाव की जिक्र किया है। एक स्थान पर कलाम ने बताया कि कैसे एक बार तिरुअनंतपुर के तट पर उन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई श्रीमद्भगवद गीता पढ़ते हुए मिले थे। विक्रम साराभाई ने ही उन्हें श्रीमद्भगवद गीता पढ़ने के लिए प्रेरित किया था। अपनी आत्मकथा में कलाम ने लिखा कि गीता एक विज्ञान है और भारतीयों के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत का गर्व का बड़ा विषय है। दुनिया में परमाणु बम के जनक अमेरिकी वैज्ञानिक जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर को भी श्रीमद्भगवद गीता से गहरा लगाव था। 1930 के दशक में ओपेनहाइमर हिंदू ग्रंथों से प्रभावित हुए और वर्ष 1933 में हर गुरुवार को वो श्रीमद्भगवद गीता पढ़ने जाते थे, जिसे बर्कली में रहने वाले आर्थर राइडर नाम के संस्कृत शिक्षक पढ़ाते थे। ओपनहाइमर ने श्रीमद्भगवद गीता को अनुवाद किए बिना पढ़ने का निर्णय लिया था और इसके लिए उन्होंने संस्कृति सीखी थी। वर्ष 1785 में सर्वप्रथम ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्मचारी चार्ल्स विलकिंस ने संस्कृत से अंग्रेजी में श्रीमद्भगवद गीता का अनुवाद किया। यह किसी भी यूरोपीय भाषा में संस्कृत से होने वाला पहला अनुवाद भी है। श्रीमद्भगवद गीता मनुष्य को कर्तव्य का बोध कराती है। जीवन जीने की कला सिखाती है। सत्कर्म करते हुए जीवन जीने की शिक्षा देती है। यही कारण है कि दुनिया के अधिकांश देशों में श्रीमद्भगवद गीता का अध्ययन हो रहा है। अमेरिका की न्यूजर्सी यूनिवर्सिटी में श्रीमद्भगवद गीता को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है। ऐसे विश्व में कई विश्वविद्यालय हैं, यहां श्रीमद्भगवद गीता को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। केवल शूटर मनु भाकर नहीं, दुनिया में करोड़ों-करोड़ लोगों को श्रीमद्भगवद गीता राह दिखा रही है। आज देश-दुनिया में सैकड़ों लोग अवसाद का शिकार हो रहे हैं। निराशा में डूब रहे हैं। यदि वो श्रीमद्भगवद गीता का पाठ करें तो जीवन और विश्व में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में दर्शन दे रहे बाबा महाकाल

सवारी में पहली बार पुलिस बैंड शामिल, बैगा समुदाय की आदिवासियों की टोली कर रही नृत्य

उज्जैन, आज सावन का दूसरा सोमवार है। उज्जैन में शाम 4 बजे से भगवान महाकाल की सवारी निकलना शुरू हो गई। पहले पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने पत्नी समेत सभामंडप में सवारी का पूजन किया। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवान पालकी में विराजमान भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दिया। इसके बाद पालकी में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर के स्वरूप में और हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में प्रजा का हाल जानने निकले हैं। सवारी में पहली बार 350 जवानों का विशेष पुलिस बैंड भी शामिल है। डिंडौरी से बैगा समुदाय के आदिवासियों की टोली भी नृत्य कर रही है। पहली सवारी में भगदड़ की स्थिति बनने के बाद कलेक्टर नीरज सिंह ने इस बार सवारी में डीजे पर बैन लगा दिया है। इससे पहले, रविवार देर रात 1 बजे से ही भक्त महाकाल के दर्शन के लिए कतार में लगना शुरू हो गए थे। रात 2.30 बजे भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खोले गए। भांग, चंदन, सूखे मेवों और आभूषणों से बाबा महाकाल का अर्धनारीश्वर स्वरूप दिव्य श्रृंगार किया गया। सुबह करीब 9 बजे बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। भस्म आरती में क्रिकेटर उमेश यादव भी शामिल हुए। उन्होंने भी दर्शन कर बाबा का आशीर्वाद लिया। दोपहर 2 बजे तक करीब ढाई लाख भक्त दर्शन कर चुके हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा श्रद्धालु भस्म आरती में शामिल हुए। सावन के पहले सोमवार को 5 लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए थे, आज भी ऐसी ही संभावना है। रात 10.30 बजे तक दर्शनों का सिलसिला इसी तरह चलता रहेगा।

बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने बन्हेडा खास स्टेशन का नाम अटल बिहारी वाजपेयी करने की मांग की

विकास त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिलाधिकारी सहारनपुर को भेजा पत्र

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल को पत्र भेजकर कहा कि देवबंद- रुड़की रेलवे मार्ग बनकर तैयार हो गया है और उस पर तीन माह के अंदर रेल यातायात भी शुरू को हो जाएगा। इसके लिए उन्होंने बन्हेडा खास रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर किए जाने का प्रस्ताव केंद्र को दिया था। जिसमें केंद्र सरकार ने यह कहा था कि नाम बदलने का निर्णय प्रदेश सरकार का है वही करेगी। जिस पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने स्थानीय प्रशासन से प्रस्ताव मांगा था। विकास त्यागी ने बताया कि रेलवे स्टेशन के आसपास के 10-12 ग्रामों के ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों के प्रस्ताव पर तत्कालीन उप जिला अधिकारी देवबंद ने नाम बदले जाने का प्रस्ताव वर्ष 2019 में तैयार करके जिला प्रशासन को भेज दिया था। जो अभी तक विचाराधीन है। विकास त्यागी ने मांग की है कि रेल यातायात प्रारंभ होने से पूर्व बन्हेडा खास रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर किया जाना चाहिए क्योंकि उक्त रेलवे मार्ग अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री कार्यकाल में घोषित हुआ था।

देवबंद में शिव भक्तों की सेवा करना शिव पूजा के समान :- गजराज राणा

पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष गजराज राणा ने किया कावंड सेवा शिविर का उद्घाटन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, शाकुम्भरी आर्युवेदिक प्रशिक्षण संस्थान एवं जीवन ज्योति हेल्थ सेन्टर द्वारा आयोजित कावंड सेवा शिविर (विशाल भंडारे) का उद्घाटन करते हुए पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष गजराज राणा ने कहा कि श्रावण मास में कांवड शिविर लगाकर शिव भक्तों की सेवा करना शिव की पूजा करने के समान है तथा इससे हरिद्वार से गंगाजल लाकर अपने शिवालय पर चढाने जितना फल प्राप्त होता है। वरिष्ठ भाजपा नेता मनीष त्यागी व पूर्व नगर महामंत्री बिजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि यह एक बहुत ही पुनीत कार्य है। इससे भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते है। हरिद्वार से कावंडियों के गंतव्य तक जगह-जगह शिविर लगाने से सिर्फ पुण्य ही नहीं मिलता है बल्कि पैदल चल रहे शिवभक्तों की आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति भी होती है। इससे पूर्व आयोजक सचिन कुमार, सुमित कुमार, डाक्टर आशु गौर, यशपाल सिंह, श्रीमति मंगलेश, सुबोध कुमार आदि द्वारा अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

विधायक मुकेश चौधरी ने कहा

कृषक कृषि विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का उठाएं लाभ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, कृषि सूचना तंत्र के सुधारीकरण एवं त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम लूंदा विकासखंड नकुड में किसान मेले एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक मुकेश चौधरी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विधायक नकुड मुकेश चौधरी ने अपने उद्बोधन में कृषकों से आहवान किया की कृषि विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ उठाएं और कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी प्रत्येक कृषक तक योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराते रहे। कृषि संबंधी योजनाओं को पंचायत भवन आदि पर लिखवाया जाए जिससे हर कृषक जागरूक हो सके। इस अवसर पर श्री अन्न के मिनीकिट भी निःशुल्क कृषकों में वितरण किए गए। उप कृषि निदेशक द्वारा कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि जनपद में त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम संचालित है सभी कृषक भाई मक्का की फसल को अपनाकर अतिरिक्त ला प्राप्त कर सकते हैं। विषय वस्तु विशेषज्ञ भूपेंद्र मलिक द्वारा कृषि विभाग में संचालित विभिन्न यंत्रों पर अनुदान कैसे प्राप्त किया जाए विस्तार से कृषकों को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष चौधरी मंडल अध्यक्ष भाजपा ने की। कार्यक्रम में साहब सिंह सैनी पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, राजसिंह माजरा विधायक, पवन सिंह राठौर, पवन सिंह रावल, डॉ राकेश कुमार उप कृषि निदेशक, पवन कुमार एडी मृदा परीक्षण, भूपेंद्र मलिक विषय वस्तु विशेषज्ञ सूर्यकांत राठी, शिव कुमार, सतपाल सिंह सहित गोष्ठी में 260 से अधिक कृषकों ने भाग लिया।

क्राईम ब्रांच ग्वालियर ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

2 लाख 4 हाजार 450 रुपये के साथ नोट छापने वाली सामग्री बरामद

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ग्वालियर, ग्वालियर में थाना जनकगंज के अंतर्गत ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने दाविश कार्रवाई करते हुए एक नकली नोट बनाने वाले गिरोह को 2 लाख 4 हाजार 450 रुपये के साथ नोट छापने वाली सामग्री के साथ गिरफ्तार किया ।

ग्वालियर में थाना जनकगंज इलाके में भिंड के रहने वाले दो युवकों द्वारा किराए पर मकान लेकर नकली नोट की फैक्ट्री चलाई जा रही थी। देर रात ग्वालियर क्राइम ब्रांच में यहां छापा मारकर कार्रवाई की है। यहां पर 50 से लेकर 500 रूपए तक के बड़ी मात्रा में नकली नोट बरामद किए गए हैं। पकड़े गए दोनों आरोपी अभी तक लाखों रुपए के नकली नोट बनाकर बाजार में खपा चुके हैं। इनके कब्जे से पुलिस ने नकली नोट बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रिंटर, कलर, स्याही और अन्य सामान भी बरामद किया है। ग्वालियर क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि ग्वालियर के जनकगंज थाना क्षेत्र के जागृति नगर इलाके में दो संदिग्ध युवकों द्वारा नकली नोट बनाकर बाजार में सप्लाई किए जा रहे हैं। पुलिस ने सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को देर रात दबोच लिया। पुलिस को मौके पर 50, 100, 200 और 500 रूपए के बने और बन रहे नकली नोट भी मिले हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अंसार अली और अशोक माहौर के रूप में हुई है, जो कि दोनों भिंड जिले के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच द्वारा जब आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि विगत दिनों में अशोकनगर जिले में 2 लाख के नकली नोट भेज चुके थे और अब गुना जिले के लिए 2 लाख से अधिक के नकली नोट तैयार करने में लगे हुए हैं।

चोर मस्त और पुलिस पस्त, रात्रि गशत व्यवस्था को चोरों की चुनौती लगातार चोरी की वारदातों से सहमे लोग

पांच माह पहले दिनदहाड़े फायरिंग कर भागने वाले चोर आज तक नहीं लगे पुलिस के हाथ

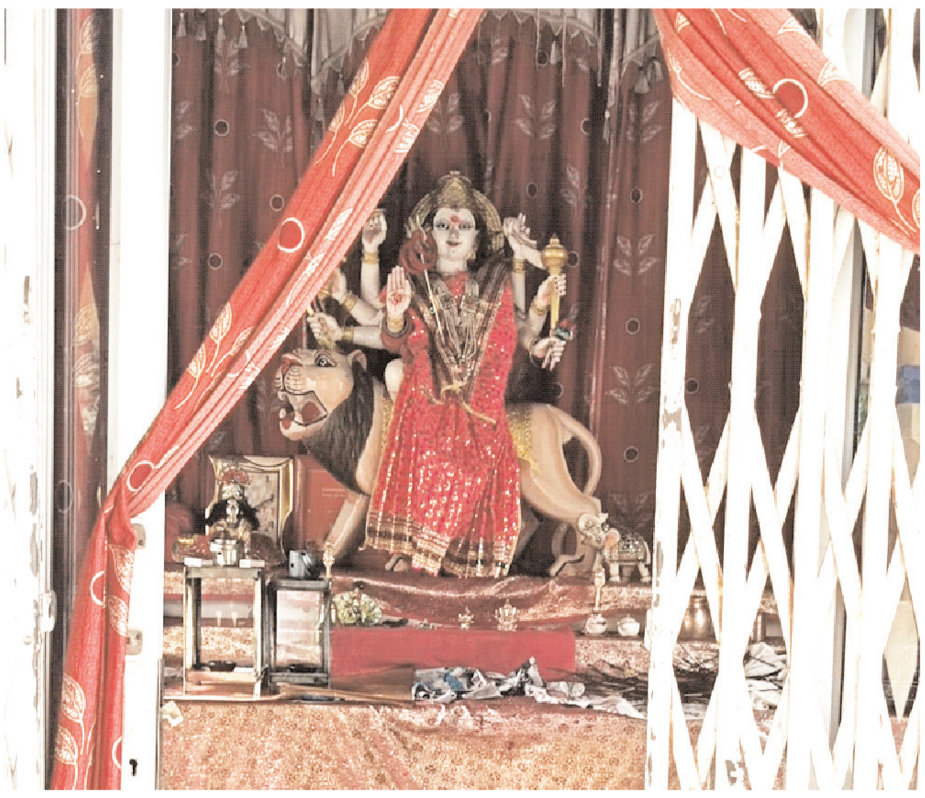

राघवेन्द्र सिंह डोडीया। सिटी चीफ जावरा, कालुखेड़ा थाना क्षेत्र में चोरों का मनोबल इस कदर बढ़ा हुआ है कि वे भगवान तक को नहीं छोड़ रहे। मुंडलाराम गांव के दुर्गा माता मंदिर में चढ़े हुए चांदी के छतर,गान व गले के आभूषण व दान पेटी में रखे पैसे पर रविवार रात चोरों ने हाथ साफ कर लिया सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे और मंदिर के ताले टुटे देखें तो आस पास के लोगों और गांव के सरपंच को बुलाया जिसके बाद पुलिस को सूचना दी तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची व सीसीटीवी कैमर चेक किए तो बंद पड़े मिले लाखों रुपए की मंदिर में चोरी की घटना को देखते हुए जावरा सीएसपी भी मोके पर पहुंच और जानकारी ली वहीं डॉग एस्कॉर्ट की टिम भी पहुंची दिन भर पुलिस चोरो को ट्रेस करने में लगी रही पुलिस जल्द से जल्द चोरो को पकड़ने की बात कह रही है

सात दिन पहले भी मंदिर के टुटे थे ताले

चिकलाना में सात दिन पहले रात 3 से 4 बजे के बीच 4 नकाबपोश बदमाशों ने चोरी को अंजाम दिया था ।बदमाशों ने एक महिला के सूने घर से 50 हजार रुपए कीमत के चांदी के जेवर और 20 हजार रुपए नकदी चुरा लिए थे। वहीं जैन मंदिर गेट का ताला भी तोड़ था। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों में उक्त चार संदिग्ध दिखाई दिए थे। वही तिन दिन पहले तालीदान में भी एक दुध डेयरी व सुने मकान में चोरो ने ताले तोड़ थे।

दिन दहाड़े बाइक चोरी कर भाग रहे चोरो ने ग्रामीण पर की थी फायरिंग

पाच माह पहले दिनेश पाटीदार निवासी तालीदान अपने खेत पर रोड़ किनारे गाड़ी खड़ी कर काम कर रहे थे तभी एक बाइक पर तीन लोग आते और सड़क किनारे खड़ी बाइक लेकर भागने लगते हैं दिनेश आवाज लगाता लेकिन वह नहीं रुकते दिनेश पाटीदार द्वारा मुंडलाराम गांव में फोन कर सुचना देता है की तीन लोग मेरी बाइक चोरी कर उधर आर रहे हैं जेसै ही चोर मुंडलाराम में पहुंचते है तो ग्रामीण उन्हें रोकने का प्रयास करते हैं लेकिन वह हवाई फायरिंग कर वहा से भाग जाते हैं दिनदहाड़े इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद भी पुलिस के हाथ आज तक खाली है दिनेश पाटीदार का कहना है कि मैंने सीएसपी से लेकर एसपी तक इसकी शिक़ायत करी लेकिन आज तक कुछ मुडंलाराम संरपच नरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया की रात में करीब चार बजे पुजारी का फोन आया में मोके पर पहुंच और देखा तो अम्बे माता मंदिर का ताला टुटा हुआ था और सब सामान इधर-उधर बिखरा हुआ पड़ा था व दान पेटी भी टुटी हुईं थी मंदिर से सोने, चांदी के आभूषण व दान पेटी में रखे पैसे चोरी हुए हैं करीब चार से पांच लाख की चोरी हुई है। निर्मला पाटीदार पुजारी ने बताया कि 4:00 बजे जब मैं मंदिर पर पूजा करने गई तो मंदिर का ताला टुटा हुआ पड़ा था व माताजी के सोने,चांदी के आभूषण नहीं थे व दान पेटी भी टुटी हुईं थी जिसकी जानकारी मेंने घर पर व संरपच को दी मंदिर में से करीब चार से पांच लाख की चोरी हुई है। कालुखेड़ा थाना प्रभारी निलम चौगड़ ने बताया कि करीब 80 हज़ार के आसपास की मंदिर में चोरी होना बताया है हमारी टीम लगी हुई है जल्द चोरो को पकड़ कर चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा

कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र में 12 युवकों का आतंक

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कोतवाली थाना क्षेत्र के दिलबहार चौराहे के पास बरही रोड में 12 युवकों ने एक घंटे तक जमकर आतंक मचाया। युवकों के उत्पात से क्षेत्र में रहने वाले और रोड से निकलने वाले लोगों में दहशत का महौल रहा। जिसका एक सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मेन रेलवे स्टेशन के सभी गलियों ने सघन सर्चिंग अभियान चला कुछ आरोपियों को अरेस्ट कर पूछताछ की जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कोतवाली थाने छेत्र क़ानून व्यवस्था को बनाये रखने अपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम के लिए पुलिस के द्वारा समय समय पर पैदल मार्च और सघन चैकिंग अभियान चलाया जाता है वही सोशल मीडिया में मारपीट करते का वीडियो सामने आने के बाद कोतवाली पुलिस अपने स्टाफ के साथ देर रात मेन रेलवे स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया स्टैंड बरही रोड और मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर सघन सर्चिंग अभियान चला पुलिस को देखकर असमाजिक तत्वों के लोग भाग खडे हुए पुलिस से कुछ को पकड़कर पूछताछ की कुछ लोगो की तलाशी भी ली गई कुछ लोगो को हिदायत देककर छोड़ दिया संदिग्ध कई लोगो को अरेस्ट कर थाने लेकर पहुंची और उनसे पूछताछ की जा रही है।

माधवनगर थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्रवाई

क्रिकेट सट्टा और जुआ खेलते 9 गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले माधवनगर थाना क्षेत्र में कल देर रात्रि पुलिस गस्त के दौरान थाना प्रभारी अपने पुलिस स्टाप के साथ ऑनलाइन का क्रिकेट सट्टा खेल रहे दो लोगो समेत 7 जुआरियों को तास पत्ते के साथ अरेस्ट किया है। माधवनगर थाना के प्रभारी अनूप सिंह ने बताया की कटनी कप्तान अभिजीत कुमार रंजन निर्देशन में पुलिस स्टाफ ने दो क्रिकेट सटोरियों को सट्टा खेलते हुए तथा सात जुआरियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। माधवनगर थाने की पुलिस को देर रात्रि मुखबिरों से सूचना मिली थी की पंचायत तिराहा में मुकेश पंजवानी मोबाइल फोन पर भारत एवं श्रीलंका के हार-जीत का सट्टा खेलकर अवैध लाभ अर्जित कर रहा है। पुलिस स्टाफ ने पंचायत तिराहा जाकर रेड की। एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे माधवनगर पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। नाम पूछने पर उसने अपना नाम मुकेश पंजवानी पिता विजय पंजवानी उम्र 34 वर्ष निवासी हास्पिटल लाइन थाना माधवनगर बताया। आरोपी अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन अवैध रूप से भारत एवं श्रीलंका के बीच क्रिकेट मैच का सट्टा खेलकर अवैध लाभ अर्जित कर रहा था। आरोपी के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले, जिसके कारण उस पर अपराध धारा 4क सट्टा एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।इसी प्रकार, मुखबिर सूचना पर नमक गोदाम के पास कैम्प में विक्की आहुजा को सट्टा खेलते हुए पकड़ा गया। आरोपी ने अपना नाम विक्की आहुजा पिता चन्दुलाल आहुजा उम्र 38 वर्ष निवासी खैबर लाइन थाना माधवनगर बताया। वही मुखबिर के द्वारा सूचना पर अलग-अलग स्थानों पर तांस के पत्तों पर पैसों का दाव लगाकर खेल रहे कुल सात जुआरियों को भी घेराबंदी कर पकड़ा गया। उनसे 52 तांस के पत्ते एवं नगदी रूपए जप्त कर जुआ एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

दमोह में भारतीय मजदूर संघ ने किया धरना प्रदर्शन

माननीय मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं श्रम मंत्री के नाम सौप ज्ञापन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, भारतीय मजदूर संघ के समस्त अनुसांगिक संगठन, संगठन के वरिष्ठ साथी घनश्याम प्रसाद गुप्ता, सोलंकी , सोमनाथ यादव के नेतृत्व में महापुरुषों की मूर्ति पर माल्यार्पण कर विशाल रैली के रूप में जिला कलेक्टर परिसर में पहुंच कर माननीय मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं श्रम मंत्री के नाम से जिला कलेक्टर महोदय जी को ज्ञापन सोपा, इस अवसर भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री देवेंद्र चौबे ने कहा प्रदेश सरकार यदि श्रमिकों एवं कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं करती है तो प्रदेश में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा साथ में कृषि उपज मंडी में कार्यरत हम माल एवं तुलाविटी को प्रदेश भर में एक समान वेतन दिया जावे, हमल एवं तुलावती की दुर्घटना होने पर वित्तीय सहायता एवं मृत्यु होने पर 10 लख रुपए की सहायता दी जावे, मुख्यमंत्री हम माल तुला बटी योजना 2008 को लागू का सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिया जावे, कृषि उपज मंडी श्रमिक कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए।

ज्ञापन सपना वालोंमें, कृषि ग्रामीण मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष सोमनाथ यादव, भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष निखिलेश चौहान, कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ के नीलम यादव चंद्रा खरे बबली विश्वकर्मा, मध्य प्रदेश बीड़ी मजदूर संघ के जगदीश जैन, दिनेश पाटकर, हमाल तुला वटी संघ से योगेश वर्मा, छोटू जैन दिनेश रावत, राज्य कर्मचारी संघ से दिनेश असाटी, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष संदीप चौबे, राजकुमार रैकवार राजकुमार रैकवार, नीरज सोनी महेंद्र कुमार सैनी, सीमेंट यूनियन एम्पलाई से प्रेम सिंह, राजा सिंह, पथ विक्रेता संघ, रफीक खान बिरजू खटीक खटीक, सैकड़ो कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में ज्ञापन का कार्यक्रम संपन्न हुआ देवेंद्र चौबे जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ।

समग्र से खसरा लिंक की कार्यवाही सभी किसान भाई करवा ले, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिलता रहे

समय सीमा बैठक संपन्न, कलेक्टर द्वारा दिए गए अहम दिशा-निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से उन विद्यालयों का कार्य कराया जाए जिनकी स्थिति खराब है। संकुल प्राचार्य, बीआरसी से वेरीफाई करके ही प्रस्ताव मांगे जाएं, इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। डीपीसी इस बात का ख्याल रखें। जहां स्कूल आने-जाने का रास्ता ना हो उन सड़कों को पहले लिया जाए, बिल्डिंग मरम्मत, शौचालय सहित मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। इस आशय के निर्देश आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने समय सीमा बैठक के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा तथा अपर कलेक्टर मीना मसराम विशेष रूप से मौजूद थे। कलेक्टर ने पाठ्य पुस्तक वितरण में अच्छा कार्य करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई और शुभकामनाएं दी। कहा जमीनी स्तर पर काम हुआ हैं, इसके लिए विभाग बधाई का पात्र है। कलेक्टर ने कहा जिले के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मिले नगर पालिका अधिकारी इस हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें नालियों गड्डो आदि में मच्छर ना पनपे इसके लिए मच्छर मारने की दवा का छिड़काव करायें।

उन्होंने राजस्व अधिकारियों से कहा कृषक अपनी भूमि समग्र से खसरा लिंक की कार्यवाही करा ले, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिलता रहे। इस कार्य के लिए पटवारी और सचिव की ड्यूटी लगाई जाए। कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा जल भराव के कारण बांध के गेट खोलने की स्थिति होने पर पहले से ही निचले क्षेत्रों में जानकारी दी जाए, जल भराव जैसी स्थिति ना बने इसके लिए उचित प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा बांधों के गेट खोलने की स्थिति में सभी सतर्क रहें, अधिकारियों को निर्देश दिए जाये, जो क्षेत्र जल भराव के हों वहां आवश्यक सावधानी रखी जाए। बैठक के दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन, सीएम मोनिट, समय सीमा पत्रक की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक प्रारंभ होने के पूर्व जिला कोषालय अधिकारी अभिषेक हजारी एवं उनके सहयोगी ने पेंशन, देयक से संबंधित जानकारी पावर प्वाइंट के माध्यम से दी।

डॉ राकेश अग्रवाल ने कहा

वर्षा ऋतु में बीमारी ज्यादा होने से 5वी कक्षा तक परीक्षाएं नहीं हो

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, शहर के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ राकेश अग्रवाल ने बच्चों में इस मौसम में ज्यादा बीमारियां होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु में छोटे बच्चों में शर्दी ,खांसी ,निमोनिया,पीलिया ,टाइफाइड ,डायरिया आदि बीमारियां ज्यादा होती हैं और बीमार बच्चे से दूसरे बच्चों में फैलने का खतरा भी ज्यादा होता है, परंतु इस समय एक्जाम कराने से माता पिता एक्जाम न छूटने पाए इस डर से अपने बीमार बच्चे को स्कूल भेजना बंद नहीं करते हैं। जिसका दुष्परिणाम यह होता है कि बीमार बच्चे का सही इलाज एवम देखभाल नहीं हो पाती है जिससे बच्चा और ज्यादा सीरियस हो जाता है साथ दूसरे स्वस्थ बच्चे भी को बीमारी होने का खतरा होता है। अतः अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चे के बीमार होने पर उन्हें स्कूल नहीं भेजे एवम स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन भी इस मौसम में बच्चो के एक्जाम न कराएं क्योंकि बच्चों के स्वास्थ से बढ़कर एक्जाम नहीं है।कृपया शिक्षा विभाग भी इस ओर ध्यान दे कि इस मौसम में कक्षा 5 तक सभी एक्जाम स्थगित करने का आदेश पारित करे।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करें, बांधों के गेट खुलने पर ग्रामीणों को करें सूचित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मंत्रालय से हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े प्रदेश के सभी जिले

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि वर्षा काल में प्रदेश में कहीं भी जन हानि न हो। इसके लिए सभी कलेक्टर्स अपने नेतृत्व में जिलों में प्रशासनिक अमले को दायित्व सौंपे। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करे। संबंधित अमला चैतन्य रहे और घटना-दुर्घटना के पूर्व आम जनता को आगाह भी किया जाए। अतिवर्षा या बाढ़ की चुनौती से निपटने के लिए समन्वय में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। लोगों की जीवन रक्षा के लिए कहीं सेना की जरूरत हो तो कलेक्टर्स समय पर बताएं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा है कि कल दिल्ली में ओल्ड राजेंद्र नगर में हुए एक हादसे में बेसमेंट क्षेत्र में पानी भरने से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन युवाओं की असामयिक मृत्यु दुःखद और दर्दनाक है। इस घटना के प्रकाश में मध्यप्रदेश के बेसमेंट में संचालित कोचिंग केंद्रों के सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आज मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वर्षा की स्थिति और कुछ जिलों में बाढ़ की आशंका के संबंध में समीक्षा की। साथ ही जिलों के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स से प्रदेश में अतिवर्षा की स्थिति में आवश्यक प्रबंधों को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग ऐसे पुल-पुलियों की जानकारी संकलित करे, जहां पूर्व दुर्घटनाएं में हुई हैं, ऐसे रपटों और पुलों पर प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। पुलों पर पानी का भराव हो तो लोगों को न जाने दें। बांधों से पानी छोड़ें तो प्रभावित होने वाले जिलों को अलर्ट करें। तैराक दल भी ऐसे स्थानों पर उपलब्ध रहें। स्थानीय स्तर पर तालमेल रहे। जिलों और तहसीलों की परस्पर जानकारी रहे। अति वर्षा की स्थिति और बाढ़ की चुनौती से प्रशासन को निपटना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई जनहानि न हो, इसके लिए सजग रहें। निरंतर मानीटरिंग होती रहे। कंट्रोल रूम की ड्यूटी वाले अधिकारी-कर्मचारी 24 घंटे चैतन्य रहें। जरूरत के अनुसार स्काउट-गाइड और सेवा भावी संस्थाओं की सेवाएं अति वर्षा की स्थिति में प्राप्त करें।

आवश्यक सेवाओं में बाधा न हो मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा के दिनों में पेयजल आपूर्ति में स्वच्छता का ध्यान रखें। आम जनता को जीवन की उपयोगी वस्तुएं बिना बाधा के मिलती रहें। आवश्यक सेवाओं को सुनिश्चित किया जाए। वर्षाकाल में उत्पन्न समस्याओं के कारण मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। कहीं मृत मवेशी न रखे रहें, उनको उठवाने का कार्य समय पर किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन पुल-पुलियों अथवा रपटों पर जल बहाव तेज हो, वहां से नागरिकों को आवागमन न करने दिया जाए। उनकी जीवन रक्षा के लिए आवश्यक तैराक दल भी ऐसी जगह पर उपलब्ध रहना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र का जिले और तहसील से संपर्क रहे। जहां दुर्घटना की या जल भराव ज्यादा होने के आशंका है, आवश्यक ध्यान रखा जाए।

कटनी के परिवार के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से राशि मंजूर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हाल ही में जबलपुर,मंडला और कटनी जिलों में अति वर्षा से कुछ नागरिकों की असमय मृत्यु हुई है, जो पीड़ादायक है। ऐसी दुर्घटनाएं आगे न हों, यह सुनिश्चित किया जाए। जहां लोग पिकनिक मनाने के लिए जाते हैं, ऐसी नदियों और तालाबों पर बचाव दल की आवश्यक व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुछ जिलों में अधिक वर्षा से हुई जन हानि को दुखद बताया। उन्होंने विशेष रूप से कटनी जिले में एक कुएं में गिरने से चार लोगों की मृत्यु पर भी दुख व्यक्त किया। इस प्रकरण में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के वैध वारिसों को 4-4 लाख रुपए के मान से 16 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से मंजूर की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होना चाहिए। खुले बोरवेल भी बंद हों। ऐसी लापरवाही से किसी की जान जा सकती है। नागरिक स्वयं सजग रहें और प्रशासनिक अमला भी सक्रिय और सजग रहे।

मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन के महीने में मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना- जाना निरंतर होता है। इसका जिले वार आकलन किया जाए। त्यौहारों पर नागरिकों के धर्म स्थलों पर जाने के मार्ग और उन स्थानों पर भी आवश्यक सुरक्षा आवश्यक है, जो धर्मस्थल जल स्रोतों के पास या नदियों के पास हैं। ऐसी जगहों पर जहां जल स्तर बढ़ सकता है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से निरंतर नजर रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमिश्नर उज्जैन, कलेक्टर शाजापुर, नर्मदापुरम, जबलपुर और कटनी से वर्षा की स्थिति और बाढ़ की आशंका के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए।

बेसमेंट में चलने वाले कोचिंग संस्थानों के निरीक्षण के निर्देश जारी- प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री नीरज मंडलोई ने बताया किमुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशों के परिपालन में प्रदेश में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग के स्थानों में जल भराव होने पर जल निकासी की व्यवस्था देखने और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि 16 नगर निगम कमिश्नर्स भी वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े हैं। उन्हें बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों, धर्मशालाओं और संस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा विभिन्न नगर- कस्बों में निचली बस्तियों में भी आवश्यक सावधानियां बरतने एवं कच्चे मकानो में बिजली के करंट फैलने से वर्षा काल में उत्पन्न होने वाली समस्या के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एक जून से 29 जुलाई तक 18.5 इंच वर्षा दर्ज हुई है। अधिक वर्षा वाले जिलों में राजगढ़, नीमच, भोपाल, सिवनी, ग्वालियर, भिंड, श्योपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, रायसेन एवं सीहोर शामिल हैं। प्रदेश के सिर्फ कटनी जिले में अधिक वर्षा से उत्पन्न स्थिति के कारण राहत शिविर का संचालन किया जा रहा है। बरगी जलाशय का जल स्तर बढ़ने पर गेट खोलने का निर्णय लिया जा रहा है। इसके प्रवाह से प्रभावित होने वाले जिलों को अलर्ट किया गया है। अनेक बांधों में जल भराव 50 से 75 प्रतिशत के मध्य है। जिला कलेक्टर्स को निचली बस्तियों में रहने वाले निवासियों को समय पर सतर्क करने और आवश्यकतानुसार अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ उन्मुख नदियों के जल स्तर पर लगातार निगरानी के लिए कहा गया है। सभी विभागों को निर्देश दिये गये कि निर्धारित पोर्टल पर जानकारी अपडेट करें और बाढ़ की पूर्व सूचना के लिए समुचित व्यवस्था करें। आवश्यक सेवाओं के रख-रखाव और बचाव दलों की व्यवस्था के लिए भी कहा गया है। प्रजेंटेशन में बताया गया कि डिजास्टर वार्निंग रिस्पॉन्स सिस्टम लागू किया गया है। इससे जलाशयों, नदियों के स्तर एवं गेटों के खोलने की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जल संसाधन विभाग द्वारा एसडीआरएफ, जिला प्रशासन और नागरिकों को एसएमएस अलर्ट की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही राजस्व एवं राहत आयुक्त के अमले द्वारा वर्षा से क्षति पर रिपोर्ट तैयार करने, जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को भारी वर्षा की चेतावनी और एसएमएस अलर्ट देने के साथ ही एसडीआरएफ एवं राज्य आपदा केंद्र के स्टाफ द्वारा जिला प्रशासन और नागरिकों को सूचित कर सजग करने की भूमिका निभाई जा रही है।

मुख्य सचिव वीरा राणा द्वारा पूर्व में प्रदेश के सभी जिलों को अति वर्षा और बाढ़ की स्थिति से निपटने के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर दमोह एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसडीएम साहिबान सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

लोकायुक्त पुलिस उज्जैन की कार्यवाई

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, बंटाकन के लिए रिश्वत ले रहे पटवारी को लोकायुक्त पुलिस उज्जैन ने रंगेहाथों गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमसिंह गुर्जर के पिताजी शंकरसिंह गुर्जर और काका भगवानसिंह गुर्जर निवासी हरणगांव की 13 हैक्टेयर भूमि का अलग-अलग बंटवारा करने के नाम पर पटवारी शाहीद शाह के द्वारा 45000 रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी, जिसकी शिकायत लोकायुक्त उज्जैन से की गई। पटवारी द्वारा 45 हजार रुपये में से 5 हजार रुपये की राशि सोमवार को दिया जाना तय हुआ। इस पर आवेदक काशीनगर मजार ए युसूफी दरगाह रोड स्थित पटवारी के निजी कार्यालय पर पहुंचा और 5 हजार रुपये की रिश्वत दी, तभी योजनानुसार लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी पटवारी को रंगेहाथों रिश्वत लेते पकड़ा। लोकायुक्त अमले को देखकर पटवारी बचकर खेत में भाग निकला जिसे लोकायुक्त के अफसरों ने खेत में घेराबंदी कर दबोच लिया। पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

नेशनल लोक अदालत 14 सितम्बर को, तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

बुरहानपुर-राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिले में 14 सितम्बर, 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर अध्यक्ष व प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत हेतु धारा 138, पराक्राम्य लिखत अधिनियम के संबंध में बैठक आयोजित रही। बैठक में सचिव श्री इन्दु कान्त तिवारी, तृतीय जिला न्यायाधीश श्रीमती कल्पना मरावी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सरिता जतारिया, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अजय कुमार यदु एवं समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट व जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री युनूस पटेल, सम्मानीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का उद्देश्य त्वरित एवं सुलभ न्याय आमजन को उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इससे न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की पेंडेंसी भी कम होती है।

शाजापुर में जमीन धंसने से स्कूली वाहन के दोनों पहिये फंसे

बच्चों से भरा हुआ थी बस, किसी को कोई हानि नहीं

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, जमीन धंसने स्कूली बस के दोनों पहियें गड्डे में फंस गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जनपद पंचायत शाजापुर के सामने बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए देल्ही स्मार्ट पब्लिक स्कूल का वाहन पहुंचा, इस दौरान अचानक से जमीन धंस गई जिसके कारण स्कूली वाहन के दोनों पहिए जमीन में धंस गए। हालांकि इस घटना में किसी को चोंट नहीं आई। स्कूली वाहन बच्चों से भरा हुआ था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सीवरेज लाइन के लिए गड्ढे खोदे गए थे, लाइन डालने के बाद गड्ढों को सही ढंग से भरा नही गया है जिसके कारण यह घटना हुई।

इस अवसर पर एनएसएस मीडिया प्रभारी आकाश सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एनएसएस इकाई ने किया पौधा रोपण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सोमवार को कॉलेज परिसर में पौधा रोपण किया गया। इस दौरान रासेयो के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ दिनेश कुमार निगवाल, प्रो एसएस जामोद के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया। इस मौके पर प्रो धर्मेंद्रकुमार सोनी ने कहा कि जो पौधा हम आज अपनी मां के नाम लगा रहे हैं वह हमारा मां के प्रति सम्मान है, इन पौधों को हमें अपनी देखरेख में रखना है। वहीं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो दुष्यंतकुमार यादव ने कहा कि एनएसएस द्वारा कई कार्यक्रमों में पौधे लगाए जाते हैं, किंतु यह एक पौधा मां के नाम लगाकर हम सभी इस गौरवमय अभियान का हिस्सा बनें यह हमारा सौभाग्य है। संचालन इकाई दलनायक रवि कुमार ने किया तथा आभार पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मी पुष्पद ने माना। इस अवसर पर आशीष परमार, अभिषेक भिलाला, रीना, विकास गिरी, शिवम परिहार, एनएसएस मीडिया प्रभारी आकाश सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे।

विभिन्न मांगों को लेकर स्कूल संचालकों ने सौंपा ज्ञापन

इस अवसर पर इमरान मंसूरी, सतीश वर्मा, अशफाक खान, हरिनारायण भाटिया व अन्य आदि उपस्थित थे

शाजापुर, मध्यप्रदेश प्रांतीय अशासकीय शिक्षण संस्था संघ जिला इकाई शाजापुर द्वारा प्रदेश अध्यक्ष दीपेश ओझा के आह्वान पर सोमवार को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं प्रमुख सचिव के नाम एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष दिलीप शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि भोपाल में स्कूल संचालक के खिलाफ असामाजिक तत्वों के द्वारा गुंडागर्दी की गई। ज्ञापन में मांग की गई कि घटना को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए, साथ ही आरटीई के सत्र 2022-23 और 23-24 का भुगतान शीघ्र एक साथ एक मुश्त किया जाए, फीस अधिनियम एक्ट में 30000 एवं उससे कम शुल्क वाले स्कूलों को छूट प्रदान की जाए। इस अवसर पर इमरान मंसूरी, सतीश वर्मा, अशफाक खान, शाहनवाज खान, हरिनारायण भाटिया, अर्जुनसिंह पाटीदार, मिर्जा मंजूर बैग, रमेश चौहान, फारूख मंसूरी, कैलाशचंद्र सौराष्ट्रीय, काशीराम जी, कमल शर्मा, तनवीर शेख, अरुणा नामदेव, शकील खान आदि उपस्थित थे।

समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

जल निकासी के लिए अवरोधों को हटाएं

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जहां भी अवरोधों के कारण वर्षा जल का जमाव हो रहा है, तत्काल अवरोधों को हटाकर सुगम जल निकासी का प्रबंध करें। उक्त निर्देश कलेक्टर ऋजु बाफना ने सोमवार को समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विवेक दुबे एवं डीपीसी राजेन्द्र शिप्रे को निर्देश दिए कि वे विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को निर्देशित करें कि वर्षा के दौरान पुल-पुलियाओं पर पानी आने की स्थिति में विद्यार्थियों को पुल-पुलिया पार नहीं करने दें। दूरस्थ क्षेत्र से आने वाले विद्यार्थियों के साथ विद्यालय का एक स्टॉफ साथ में रखें। कलेक्टर ने सडक़ निर्माण विभागों को निर्देश दिए कि पुल-पुलियाओं पर वर्षा के दौरान ओवरफ्लो की स्थिति में आवागमन रोकने के लिए तत्काल बेरिकेड्स लगवाएं। बेरिकेड्स पर रेडियम की पट्टिका भी लगाएं। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि अविवादित नामांतरण के प्रकरणों का एक माह के अंदर निराकरण करना सुनिश्चित करें। गौशाला निर्माण एवं चारागाह की भूमि पर अतिक्रमण हटाने के कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने गौशालाओं में सडक़ पर विचरण करने वाले पशुओं को रखने एवं चारागाह की भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराने के निर्देश दिए। इस दौरान पोलायकलां सीएमओ को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हाल ही में सडक़ के मध्य किए गए पौधा रोपण पर दुर्घटना से बचाव के लिए रेडियम की पट्टियां लगाएं। जिला परिवहन अधिकारी विद्यालयों के वाहनों सहित अन्य यात्री वाहनों की नियमित चेकिंग करें। साथ ही कलेक्टर ने शेष बचे हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सीएमएचओ को निर्देश दिए। विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में पौधा रोपण, ग्रामीण क्षेत्रों में लायब्रेरी की स्थापना, जल गंगा संवर्धन अभियान, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा भी की गई।

शिवपुरी के टोकनपुरा मझरा गांव में किसान के घर में लाखों की चोरी

घर से 2.65 लाख रुपये और सोने-चांदी के जेबरात गायब

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र अंतर्गत टोकनपुरा मझरा गांव में किसान के घर से दिनदहाड़े लाखों की चोरी हो गई। किसान ने अमोला थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। टोकनपुरा मझरा गांव के रहने वाले किसान मनीराम लोधी ने बताया कि वह परिवार के साथ घर के पीछे खेत में गुड़ाई कर रहे थे जब शाम को घर लौटा तो ताला टूटा हुआ था। घर में रखे 1 लाख 65 हजार रुपए और करीब 1 लाख रुपये की कीमत के सोने-चांदी के जेबरात चोरी हुए हैं। वहीं बेटे नितेश लोधी ने बताया कि चोरों ने ताला तोड़ने के लिए बाहर रखी कुल्हाड़ी और कृषि औजारों का इस्तेमाल किया। चोर 1 लाख 65 हजार रुपए और सोने का मंगलसूत्र, सोने की झुमकी सहित चांदी चुरा कर ले गए।

कांग्रेस विधायक पर आदिवासी महिलाओं ने लगाया मारपीट का आरोप

बिजली समस्या लेकर पहुंची विधायक के पास

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ग्वालियर, मध्य प्रदेश के ग्वालियर से बड़ी खबर सामने आई है, जहां कांग्रेस विधायक साहब सिंह गुर्जर पर महिलाओं के साथ मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है, मारपीट की शिकार हुई महिलाओं ने कांग्रेस विधायक के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्क्क को शिकायती आवेदन दिया है और ष्टरू डॉ मोहन यादव से न्याय की गुहार लगाई है।

महिलाएं बिजली समस्या लेकर पहुंची विधायक के पास- ग्वालियर जिले की ग्रामीण विधानसभा की मऊ पहाड़ी इलाके में बिजली समस्या को लेकर कुछ महिलाएं कांग्रेस विधायक साहब सिंह गुर्जर के घर अलकापुरी पहुंची थी। महिलाओं का कहना है कि उन्होंने विधायक को क्षेत्र में आए दिन हो रही बिजली समस्या के बारे में बताया। इसके अलावा विधायक ने विधानसभा चुनाव में ष्ठक्क लगवाने का वादा भी किया था। इस वादे को भी विधायक को याद दिलाया गया।

विधायक पर लगाया मारपीट का आरोप- महिलाओं का आरोप है कि जब विधायक से मिलने पहुंचे और उन्हें DP लगवाने का वादा याद दिलाया। तो गुस्से में विधायक साहब सिंह गुर्जर ने उनके बाल पड़कर उनको जमीन पर पटक दिया। महिलाओं ने विधायक पर मारपीट करने के आरोप भी लगाए। वहीं महिलाओं ने एसपी कार्यालय पहुंचकर भी इस मामले में शिकायत की।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री से की न्याय की गुहार- महिलाओं ने पुलिस को शिकायत देकर विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत करने के साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी न्याय की गुहार लगाई है। महिलाओं का कहना है कि,स्क्क क्राइम ब्रांच सियाज के एम को शिकायत दे दी गई है। ASP ने मामले में जल्द जांच कराने का आश्वासन दिया है

विधायक अर्चना चिटनिस ने विद्युत कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों की बैठक लेकर की समीक्षा, 58.69 करोड़ के विद्युत कार्य स्वीकृति उपरांत प्रगतिरत

बुरहानपुर। सोमवार को पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने विद्युत कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। श्रीमती चिटनिस ने निरीक्षण उपरांत अधिकारियों की बैठक लेकर स्वीकृत कार्यों की प्रगति संबंधी समीक्षा कर संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने रिफार्म बेसड् रिजल्ट लिंक रिवेम्प्ड डिस्ट्रीव्युशन सेक्टर स्कीम अंतर्गत बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कं. लि. से 58.69 करोड़ की स्वीकृति दिलाकर प्रस्तावित कार्य की प्रगति को लेकर विभागीय अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। कार्यालय पहुंचकर ज्ञात हुआ कि आजादी पूर्व अर्थात् 5-7 दशक पुराने भवनों में विद्युत विभाग वरिष्ठ कार्यालय संचालित हो रहे हैं। विद्युत विभाग को लगभग 1 लाख वर्गफीट भूमि में से कुछ हिस्से पर नवीन कार्यालय भवन और आवासीय परिसर निर्माण स्वीकृति हेतु प्रस्ताव बनाकर देने हेतु अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को कहा। उक्त स्वीकृति और क्षेत्र को मिल रही सौगात पर श्रीमती अर्चना चिटनिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने आरआरआरडीएस अंतर्गत 239 ट्रांसफार्मर में से स्थापित किए गए 135 की ग्राम वार जानकारी ली तथा मार्च 2025 तक शेष समस्त ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति और व्यवस्थाओ को मान मोदी जी व मुख्यमंत्री डा मोहन यादव की मंशानूरूप शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो इसमें 81 लाख रुपए की लागत से 6 केपसिटर बैंक की स्थापना की जा रही है। इन केपसिटर की स्थापना से क्षेत्र के कृषकों 11 केव्ही लाईन में लो वोल्टेज की समस्या का सुधार होगा। इसी प्रकार 33/11 के. वी. के 4 विद्युत उप केंद्रों एवं 19.29 किमी की विद्युत लाइन का निर्माण किया जाएगा। इसमें राशि 9 करोड़ 11 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। यह 33/11 के. वी. विद्युत उप केंद्र चिंचाला मुक्तिधाम, शहर बुरहानपुर मंडी बाजार, ग्राम तुरकगुराडा, एवं ग्राम धामनगांव में स्थापित किए जा रहे हैं। ग्राम तुरकगुराडा व ग्राम धामनगांव का 33/11 के. वी. सब-स्टेशन का कार्य भी अतिशीघ्र पूर्ण होने जा रहा है। इन कार्यों से ग्राम क्षेत्र के ग्राम पिपरी रै, चिड़ियापानी, धामनगांव व आस-पास के क्षेत्र की पेयजल व कृषकों विद्युत वितरण सुधार होगा। श्रीमती चिटनिस ने बताया कि अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं 11 के. वी. लाइन तथा निम्न दाब लाईन के साथ 239 विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापना पर करीब 48.77 करोड़ रूपए व्यय किए जाएंगे। यह सुविधा क्षेत्र के वितरण केन्द्रों शाहपुर, फोफनार, खामनी, बांभाड़ा, चापोरा, ईच्छापुर, भावसा, लोनी, पातोंडा, लोधीपुरा, हटनूर, भोलाना सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 239 नवीन ट्रांसफार्मर की स्थापना से अतिभारित ट्रांसफार्मर की जलने एवं निम्न वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी। क्षेत्र के हजारों कृषकों के कृषि पम्पों के कम वोल्टेज की समस्या का निराकरण होगा। साथ ही सबमर्सिबल पम्पों के जलने आदि की मरम्मत से बचाव भी होगा। मुख्य योजना का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों द्वारा समय पर किए जा रहे बिजली बिलों के भुगतान का सही प्रतिफल प्राप्त होगा और विद्युत कंपनी भी लाभ की स्थिति में होगी। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि वर्ष 2008 के पूर्व जहां बुरहानपुर जिले में 10 से 14 लाख यूनिट जिले में खपत होती थी। वहीं आज यह बढ़कर 24 से 29 लाख यूनिट हो गई है। तीव्रगति से बढ़ती बिजली खपत को देखते हुए बिजली संचार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण किया जाना अतिआवश्यक हो गया था। नहीं तो आगामी समय में घरेलू, खेती, औद्योगिक एवं व्यवसायिक पर इसका विपरित असर पड़ रहा था। विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि जिले में बढ़ती विद्युत खपत के कारण बुरहानपुर शहर एवं ग्रामीण के सभी उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज जैसी विद्युत समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इसके निदान हेतु मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बुरहानपुर वृत्त से कार्यों के प्रस्ताव बनाकर वरिष्ठ कार्यालय को भेजकर विद्युत संचार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण करने के लिए स्वीकृति दिलाई गई है। यह कार्य होने से आगामी समय में उपभोक्ता/भार बढ़ने से भी वोल्टेज की समस्या नहीं रहेगी।

देश में इस साल शुरू होगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन 2047 तक होंगी 50 ट्रेनें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार भारतीय रेलवे का कायाकल्प के लिए लगातार कोशिश कर रही है। इसमें यात्रियों को सुरक्षा देने से लेकर ट्रेनों में कवच सिस्टम लगाना भी शामिल है। इस बीच भारतीय रेलवे ने हाइड्रोजन गैस से ट्रेन चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। रेलवे बोर्ड के सदस्य अनिल कुमार खंडेलवाल ने कहा कि भारत इस साल अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन शुरू कर देगा। 2047 तक ऐसी ट्रेनों की संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी। रेलवे बोर्ड के सदस्य अनिल कुमार खंडेलवाल का कहना है कि 16 जुलाई को कवच के चौथे वर्जन का अंतिम विनिर्देश कर लिया गया है। अब हम इसे पूरे देश में लागू करने जा रहे हैं। 1,400 किलोमीटर के ट्रैक पर काम पूरा हो चुका है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा के 3,000 किलोमीटर के लिए बोलियां स्वीकार की जा रही हैं। इस बजट में रेलवे को 2,62,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें से करीब 1.08 लाख करोड़ रुपये केवल सुरक्षा बढ़ाने के लिए उपयोग किए जाएंगे।

काम की रफ्तार में इजाफा

रेलवे अफसरों का कहना है कि गति शक्ति के आने से काम की रफ्तार में इजाफा हुआ है। अब सालाना 70 से 80 प्रोजेक्ट अप्रूवल किए जा रहे हैं, इनकी संख्या पहले 7 से 8 थी। रेलवे प्रतिदिन 14.50 किलोमीटर ट्रैक का निर्माण कर रहा है। पिछले वर्ष 5,000 किलोमीटर के ट्रैक का निर्माण किया गया। उन्होंने बुलेट ट्रेन को लेकर कहा कि 2027 तक देश में पहली बुलेट ट्रेन देखने को मिल सकती है।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन

हाइड्रोजन ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाली ट्रेन है। इस रेलगाड़ियों में डीजल इंजन के बजाए हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स लगाए जाते है। ये ट्रेनें कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन या पार्टिकुलेट मैटर जैसे हानिकारक प्रदूषकों का उत्सर्जन नहीं होता। इन ट्रेनों के चलने से प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स की मदद से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को बदलकर बिजली पैदा की जाती है। इसी बिजली का इस्तेमाल ट्रेन को चलाने में किया जाता है

यह है इस ट्रेन की खासियत

हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों को हाइड्रेल भी कहते है। इस ट्रेन की खासियत की बात करें, तो ये ट्रेनें बिना धुआं छोड़े दौड़ेंगी, जिससे प्रदूषण नहीं होगा। इस ट्रेन में 4 से 6 कोच होंगे। सबसे पहले ये ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी। इसके बाद दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, नीलगिरी माउंटेन रेलवे, कालका शिमला रेलवे, माथेरान रेलवे, कांगड़ा घाटी, बिलमोरा वाघई और मारवाड़-देवगढ़ मदारिया रूट पर चलेगी। ये ट्रेन 140 किमी/घंटे की रफ्तार से 1000 किमी दौड़ सकती है। हालांकि भारत में चलने वाली ये ट्रेने फिलहाल 100 किमी की दूरी तय करेगी। रेलवे के कपूरथला और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में इन ट्रेनों को तैयार किया जा रहा है।

टूडो का आंतकियों को खुला समर्थन!

कनाडा में भारत के खिलाफ फिर जनमत संग्रह

इंटरनेशनल डेस्क। कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां लगातार जारी हैं। अब यहां के कैलगरी में खालिस्तान पर जनमत संग्रह का तमाशा देखने के बाद कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का आंतकवाद को खुला समर्थन व भारत विरोधी चेहरा एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। रविवार को लबर्टा प्रांत स्थित कैलगरी के म्यूनिसपल प्लाजा में खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने द्वारा करवाए गए जनमत संग्रह में सिख पहुंचे और भारत के खिलाफ भड़काऊ नारेबाजी की। जनमत संग्रह दौरान किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे लगाए जा रहे थे। जनमत संग्रह का आयोजन चरमपंथी समूह सिख फॉर जस्टिस ने अमेरिका के स्थानीय राजनयिक मिशन के ठीक सामने किया था। भारत विरोधी इस आयोजन के खिलाफ कनाडा के विदेश मंत्रालय के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी बावजूद इसके जस्टिन ट्रूडो की पुलिस ने इसे रोकने का कोई उपाय नहीं किया। बल्कि भारत विरोधी नारे लगाने दौरान भी कनाडाई पुलिस मूकदर्शक बनी रही। यह जनमत संग्रह खालिस्तान नामक स्वतंत्र सिख राय के निर्माण के लिए आयोजित किया गया है। प्रो-खालिस्तान समूह सिख्स फॉर जस्टिस द्वारा आयोजित इस मतदान में, कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के सिखों की राय ली जा रही है। कनाडा में लगभग एक मिलियन सिख रहते हैं और उनमें से करीब 100,000 कैलगरी में हैं। इसमें सबसे पहले हर्दीप सिंह निजर के परिवार ने प्रमुख खालिस्तान नेताओं के साथ वोट डाला। स्स्न्नछ्व के नेता ने घोषणा की कि कैलगरी में मतदान उन नौ कनाडाई सिखों लखबीर सिंह , भूपिंदर सिंह कूणर, हरजिंदर सिंह पारा, तलविंदर सिंह परमाण, सुरिंदर सिंह शिंदर कमांडो, बलबीर सिंह खैरा, जत्थेदार हर्दीप सिंह निजर, मोहिंदर सिंह कूणर और सुरिंदर सिंह रवि के नाम समर्पित किया गया है जिनकी कथित तौर पर भारत ने खालिस्तान के समर्थन के लिए हत्या कर दी गई थी। मतदान की शुरुआत स्थानीय सिख धार्मिक नेताओं द्वारा प्रार्थनाओं के साथ की गई। हजारों लोगों ने लंबी कतारें लगाईं और पूरे दिन मतदान किया। पुरुष, महिलाएं, युवा, बचे और वृद्ध लोग इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कैलगरी आए। शहर के बाहर खालिस्तान के झंडे लहराए गए और मार्ग को सिख शहीदों के बड़े पोस्टरों से सजाया गया। खालिस्तान काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. बख्शीश सिंह संधू ने मतदान की शुरुआत में कहा कि कैलगरी में सिख अपना लोकतांत्रिक अधिकार प्रयोग करके नया रिकॉर्ड बनाएंगे और दुनिया को यह संदेश देंगे कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सिखों की हत्या का अभियान अस्वीकार्य है और यह वैश्विक आतंकवाद और उत्पीड़न है, जिसके खिलाफ भारत पर वैश्विक प्रतिबंध लगाने चाहिए। सभी मतदान प्रक्रियाएं पंजाब जनमत संग्रह आयोग की निगरानी में की जा रही हैं। मतदान प्रक्रिया से लेकर बैलट बॉक्स की निगरानी और मतदान समाप्ति के बाद बैलट्स की सीलिंग तक, पूरी प्रक्रिया आयोग के अनुमोदित तृतीय पक्ष स्टाफ द्वारा की जाती है ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

दिल्ली-एनसीआर में रहेगी उमस, 25 राज्यों में बारिश का अलर्ट

देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश और गर्मी का मिश्रण...

नेशनल डेस्क। दिल्ली-एनसीआर के इलाके जहां भीषण उमस और गर्मी से जूझ रहे हैं, वहीं चंडीगढ़ और अन्य हिस्सों में मानसून ने जोरदार तरीके से दस्तक दी है। भारतीय मौसम विभाग ने इस सप्ताह के दौरान दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है, हालांकि राजधानी में भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। जबकि देश के कई हिस्सों में मानसून का जलवा साफ नजर आ रहा है, दिल्ली में मौजूदा स्थिति लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। दिल्ली में मौसम का हाल आज कुछ बेहतर हो सकता है, क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। ढ्ढरूष्ठ ने अगले तीन दिनों के लिए भी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले दिन राजधानी में तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। हालांकि, शाम तक मौसम में बदलाव की उम्मीद है और रात में हल्की बारिश हो सकती है। आगामी तीन दिनों में भी मौसम की ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है, जिससे उमस में कुछ कमी आ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के 7 जिलों में आज और कल भारी बारिश की संभावना है। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में गरज चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 30 जुलाई से 2 अगस्त तक हिमाचल प्रदेश का मौसम खराब रह सकता है। ऐसे में प्रदेश सरकार ने स्थानीय निवासियों और पर्यटकों से सतर्क रहने की अपील की है और यात्रा को टालने की सलाह दी है।

आज और कल बारिश की चेतावनी वाले राज्यों की सूची: मौसम विभाग ने आज गुजरात, उत्तराखंड, कर्नाटक, मणिपुर, त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसके अतिरिक्त, गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय और झारखंड में भी मौसम खराब रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों में भारी बारिश से ठंडक का अहसास होगा और गर्मी से राहत मिल सकती है।

31 जुलाई को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही पंजाब, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड, कोंकण-गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल में भी गरज चमक के साथ बादल गरज सकते हैं। इन मौसम की स्थितियों के चलते देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज बदल सकता है और मानसून की सक्रियता से राहत मिल सकती है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की चेतावनियों का पालन करें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

सगे भाई-बहन सहित 3 पंजाबी छात्रों की सड़क हादसे में मौत

कनाडा । एक दर्दनाक सड़क हादसे में सगे भाई-बहन सहित तीन पंजाबी छात्रों की मौत हो गई। मरने वालों में दो पंजाबी लड़कियाँ और एक लड़का शामिल हैं। हादसा तब हुआ जब ये तीनों PR के लिए आवेदन करने के बाद वापस लौट रहे थे। रस्मदीप कौर समाना की रहने वाली थी। वह क्क्र के लिए आवेदन करने के बाद अपने दोस्तों के साथ टैक्सी से वापस आ रही थी। भाई-बहन अमलोह के रहने वाले थे। ये दोनों भी रस्मदीप कौर के साथ ही टैक्सी में सवार थे। यह हादसा तब हुआ जब उनकी टैक्सी का टायर खुल गया और कार बेकाबू होकर हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के परिवार ने सरकार से मांग की है कि उनके प्रियजनों के शवों को पंजाब लाया जाए ताकि वे अंतिम संस्कार कर सकें। घटना के बादर पंजाब में उनके परिवार और दोस्त गहरे शोक में हैं। मृतकों की पहचान हरमन सोमल (23), उसका भाई नवजोत सोमल (19) और रस्मदीप समाना (23) के रूप में हुई है, जो स्टडी वीजा पर गए हुए थे। दुर्घटना के कारणों की अभी जाँच की जा रही है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, सड़क पर फिसलन और खराब मौसम के चलते यह हादसा हुआ हो सकता है। दो सगे भाई-बहनों का सपना था कि वे कनाडा में स्थायी रूप से बस जाएं और एक बेहतर जीवन की शुरुआत करें। उन्होंने क्क्र के लिए आवेदन किया था और आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि कनाडा के न्यू ब्रंसविक शहर के मॉन्कटन के रहने वाले पंजाबियों की एक गाड़ी शनिवार रात करीब एक घंटे की दूरी पर स्थित शहर मिल कोव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा हाईवे पर टायर फटने से हुआ और गाड़ी नियंत्रण से बाहर हो गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का चालक घायल है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त तीनों यात्री गाड़ी से बाहर निकलकर गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं परिजनों ने पंजाब सरकार से शव भारत लाने के लिए मदद की गुहार लगाई है।

मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतरे, 2 की मौत

ममता बनर्जी ने सरकार को घेरा, कहा- क्या यही शासन व्यवस्था है?

नेशनल डेस्क। झारखंड में मंगलवार तड़के मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर जाने से दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 3.45 बजे चक्रधरपुर के पास बड़ा बंबू गांव में हुआ। ट्रेन के पटरी से उतरने की सूचना मिलते ही एंबुलेंस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए। ममता बनर्जी ने हावड़ा-मुंबई मेल दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, एक और विनाशकारी रेल दुर्घटना! हावड़ा-मुंबई मेल आज सुबह झारखंड के चक्रधरपुर मंडल में पटरी से उतर गई, जिसके दुखद परिणाम कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में घायल हुए हैं। मैं गंभीरता से पूछती हूं- क्या यही शासन व्यवस्था है? लगभग हर हफ्ते दु:स्वप्नों का यह सिलसिला, रेल पटरियों पर मौतों और चोटों का यह अंतहीन सिलसिला- कब तक हम इसे सहन करेंगे? क्या भारत सरकार की संवेदनहीनता का कोई अंत नहीं होगा?! मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, परिजनों के प्रति संवेदनाएं। दक्षिण पूर्वी रेलवे (एसईआर) के प्रवक्ता ओम प्रकाश चरण ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि पास में एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने की एक और घटना हुई थी, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों दुर्घटनाएं एक साथ हुईं या नहीं। उन्होंने कहा, नागपुर के रास्ते 22 कोच वाली 12810 हावड़ा-मुंबई मेल के कम से कम 18 डिब्बे सुबह 3.45 बजे एसईआर के चक्रधरपुर डिवीजन में बाराबंबू स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि इनमें से 16 यात्री डिब्बे, एक पावर कार और एक पेंट्री कार थी।

एसईआर के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दुर्घटना में छह यात्री घायल हो गए और उन्हें बाराबंबू में चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। अब उन्हें बेहतर इलाज के लिए चक्रधरपुर ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ट्रेन के पटरी से उतरने के कारण का पता लगाया जा

SÕÕÕ£, ´Õ•/ÕÕÕ•/ ÕÕ¢ ÕØ…Õ•/ ÕÕ£ÕÕ£ ÕÕÕÕ£ ÕÕÕÕÕ mÕÕUÕ •/ÕÕÕ´Õ•/ Õ´Õ¢¯UÕÕ ´ÕÕ. ÕÕ. ¨Õ/£ ´ÕÕÕ ªUÕ'UÕ x/zy, ´ÕÕÕ
•/ÕÕÕ´ÕÕÕÕ, Õ.Õ£. ÕUÕ˙U, §¢…1ÕU ÕÕ ÕØÕ…ÕÕ ÕÕ¢ yzÕ »ØÕÕÕ ¿æÕÕÕU ´ªUÕ£ Õ¢Õ`Õ `ÕÕÕUÕ •¢/´Õ'¢˙U §¢…1ÕU, (Õ.´Õ.) ÕÕ